सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 297, नई दिल्ली । रविवार, 05 जनवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 दिल्ली विधानसभा चुनावी दंगल में भाजपा की पहली टीम की घोषणा
06 मार्गदर्शन की आवश्यकता/क्षेत्र, सिद्धांत, परामर्श के उद्देश्य
08 महाकुंभ ₹अर्थव्यवस्था₹, 45 दिन 90 हजार करोड़ जीडीपी

तीन मेट्रो लाइन, दो बस अड्डे और एक रेलवे स्टेशन की कनेक्टिविटी से सफर होगा आसान

संजय बाटला

नमो भारत ट्रेन साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर तक यात्रा को आसान बनाएगी। यह दिल्ली मेट्रो की तीन लाइनों दो बस अड्डों और एक रेलवे स्टेशन से जुड़ेगी जिससे विभिन्न शहरों की यात्रा सुलभ होगी। इससे लाखों लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। यह मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी लोगों के सफर को आसान और सुलभ बनाएगी। इसे पीएम मोदी रविवार को हरी झंडी दिखाएंगे।

नई दिल्ली। नमो भारत ट्रेन केवल मेरठ साउथ से न्यू अशोक नगर तक का सफर ही आसान नहीं करेगी बल्कि तीन दिल्ली मेट्रो लाइन, दो बस अड्डे व एक रेलवे स्टेशन से कनेक्टिविटी होने से विभिन्न शहरों का सफर भी आसान करेगी। इससे नमो भारत ट्रेन लाखों लोगों के सफर को आसान बनाएगी। यह मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी लोगों के सफर को आसान और सुलभ बनाएगी।

दिल्ली के न्यू अशोक नगर तक संचालन होने से आनंद विहार स्टेशन पर नमो भारत की कनेक्टिविटी आनंद विहार में दिल्ली मेट्रो ब्लू व पिंक लाइन से, आनंद विहार में इंटर स्टेट बस टर्मिनल (आइएसबीटी) का बस अड्डा व उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) का कौशांबी बस अड्डा और आनंद विहार रेलवे स्टेशन से हो जाएगी।

विभिन्न राज्यों के शहरों के लोगों को राहत मिलेगी

इससे केवल दिल्ली, गाजियाबाद व मेरठ जाने का सफर ही आसान नहीं होगा, बल्कि कनेक्टिविटी होने से बस अड्डों से संचालित हजारों बसों व रेलवे स्टेशन से जाने वालीं रेल गाड़ियों से प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों के शहरों के लोगों को राहत मिलेगी। जिन लोगों को यहां से दिल्ली या मेरठ जाना होगा व आसानी से आ जा सकेंगे। अभी तक बस में सफर कर कौशांबी व आनंद विहार पहुंचने वाले लोगों को विभिन्न वैकल्पिक व्यवस्थाएं करनी होती हैं।

मेट्रो रेड लाइन से पहले ही हो चुकी है कनेक्टिविटी

नमो भारत ट्रेन की दिल्ली मेट्रो रेड लाइन से शहीद स्थल स्टेशन पर पहले ही कनेक्टिविटी हो चुकी है। इससे भी तीनों

शहरों के लोगों को बड़ी राहत मिली थी। अब पिंक व ब्लू लाइन के जुड़ने से लोगों को और अधिक सुविधा मिलेगी। लोगों का सफर सुगम बनेगा।

कौशांबी डिपो व आनंद विहार बस अड्डे से लाखों यात्री करते हैं सफर

कौशांबी व आनंद विहार बस अड्डे से आइएसबीटी व यूपीएसआरटीसी की रोडवेज बसों से रोजाना लाखों यात्री सफर करते हैं। जो यहां विभिन्न कार्यों के लिए आते-जाते हैं। कौशांबी डिपो पर ही रोजाना 800 से 1000 बसों का डिपार्चर रहता है। इनसे करीब 40 हजार यात्री रोजाना सफर करते हैं।

दिल्ली मेट्रो की कौन-कौन सी लाइन जुड़ेंगी

ब्लू लाइनः दिल्ली के द्वारका सेक्टर 21 से वैशाली।

कुल स्टेशन 33

पिंक लाइनः लोनी शिव विहार से दिल्ली के मजलिस पार्क।

कुल स्टेशन 38

रेड लाइनः गाजियाबाद के शहीदनगर से दिल्ली के रिठाला।

कुल स्टेशन 29

ये रहेंगे नमो भारत ट्रेन के 11 स्टेशन

न्यू अशोक नगर
आनंद विहार
साहिबाबाद
गाजियाबाद
गुलधर
दुहाई
दुहाई डिपो स्टेशन
मुरादनगर
मोदीनगर साउथ
मोदीनगर नार्थ
मेरठ साउथ

दिल्ली के न्यू अशोक नगर से मेरठ तक नमो भारत ट्रेन का शुभारंभ होना उत्तर प्रदेश व दिल्ली रहने वालों के लिए गर्व की बात है। इससे उद्यमी व नौकरीपेशा लोगों को सबसे ज्यादा राहत मिलेगी। बड़ी संख्या में लोग दिल्ली जाते हैं और दिल्ली से गाजियाबाद भी आते हैं। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई हैं। -इंद्र विक्रम सिंह, जिलाधिकारी

मुख्यमंत्री ने की घोषणा, सभी बसों में लगेंगे स्मार्ट डिवाइस

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: भुवनेश्वर में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन माझी की घोषणा। सभी बसों में स्मार्ट डिवाइस लगाये जायेंगे। दुर्घटनाओं को कम करने के लिए ये कदम उठाए जाएंगे। इस संबंध में आईआईटी मद्रास के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह स्मार्ट डिवाइस तब सायरन बजाएगा जब चालक की आंखें बंद होंगी या वह आंखें खुली रखते हुए भी ध्यान भटकाकर गाड़ी चला रहा होगा।यहां तक कि अगर आप नशे में गाड़ी चला रहे हैं, तो भी एक ध्वनि सुनाई देगी जो चालक को सतर्क कर देगी। यह उपकरण सड़क सम्मोहन को रोकने में भी मदद कर सकता है। सरकार आगामी बजट में इसकी व्यवस्था करेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ओडिशा यात्री ऐप का उद्घाटन किया। इससे यात्रियों को एक क्लिक पर अपने गंतव्य तक ऑटो और टैक्सी मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2,000 यातायात पुलिस चौकियां बनाई जाएंगी। ओला, उबर ये सभी वाणिज्यिक आधार पर चल रही हैं। इससे बिचौलियों को फायदा हो रहा है। कंपनी ड्राइवरों से कमीशन ले रही है। यह ऐप राज्य सरकार के सहयोग से विकसित किया गया है ताकि इन सब चीजों को खत्म किया जा सके और स्वच्छता लाई जा सके। प्रवासी भारतीय दिवस पर ओडिशा यात्री ऐप भी लॉन्च किया जाएगा।

पीएम मोदी रविवार को साहिबाबाद में होंगे, कई रास्ते बंद, पुलिस ने एडवाइजरी की जारी; घर से निकलने से पहले देखें रूट

प्रधानमंत्री के साहिबाबाद आगमन के मद्देनजर रविवार सुबह 7 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक यातायात पुलिस ने रूट डायवर्जन प्लान लागू किया है। मोहननगर से हिंडन एयरफोर्स स्टेशन प्रवेश द्वार तक सभी प्रकार के व्यावसायिक वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। कार्यक्रम के दौरान हिंडन एयरफोर्स स्टेशन प्रवेश द्वार से वैशाली मेट्रो के मध्य सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। घर से निकलने से पहले देखें रूट।

साहिबाबाद। प्रधानमंत्री के आगमन से पूर्व रविवार को सुबह सात बजे से कार्यक्रम समाप्त होने तक यातायात पुलिस ने रूट डायवर्जन प्लान लागू किया है। यदि आप घर से निकल रहे हैं तो रूट देखकर निकलें। हिंडन एयरफोर्स स्टेशन प्रवेश द्वार से यूपी गेट तक वाया मोहननगर-वसुंधरा-वैशाली रूट सुबह सात बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक प्रभावित रहेगा।

ऐसा होगा रूट डायवर्जन

मोहननगर से हिंडन एयरफोर्स स्टेशन प्रवेश द्वार के सभी प्रकार के व्यावसायिक वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। मोहननगर से यूपी गेट के मध्य सभी भारी/मध्यम/हल्के व्यावसायिक वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।

करन गेट गोलचक्कर से हिंडन एयरफोर्स स्टेशन प्रवेश द्वार की ओर सभी प्रकार के व्यावसायिक वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।

रोटरी गोलचक्कर से नागद्वार होकर हिंडन एयरफोर्स स्टेशन प्रवेश द्वार की जाने वाले सभी प्रकार के व्यवसायिक वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। कार्यक्रम के दौरान हिंडन एयरफोर्स स्टेशन प्रवेश द्वार से वैशाली मेट्रो (वाया मोहननगर) के मध्य सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा।

समस्या आने पर इन नंबरों पर करें कॉल

यातायात हेल्पलाइन नंबर : 9643322904, 0120-2006100

यातायात निरीक्षक, मुख्यालय, संतोष सिंह चौहान, मो.नंबरः 7007847097

यातायात निरीक्षक, चतुर्थ, मनोज कुमार सिंह, मो.नंबर : 8130674912

यातायात निरीक्षक, पंचम, अजय कुमार, मो.नंबर : 9210005151

यह डायवर्जन PM मोदी का कार्यक्रम समाप्त होने तक रहेगा लागू

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के दौरान यह डायवर्जन प्लान लागू रहेगा। नागद्वार से हिंडन एयरफोर्स गोल चक्कर के बीच भी व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। प्रधानमंत्री के साहिबाबाद में आगमन के दौरान हिंडन एयरफोर्स गोलचक्कर से वैशाली मेट्रो स्टेशन के बीच सभी तरह के वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद की जाएगी।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने पीएम के कार्यक्रम को देखते हुए कानून-व्यवस्था के लिए बीएनएस की धारा 163 लागू की है। पुलिस ने कोतवाली, मधुबन बापूधाम, नंदग्राम, लिंक रोड, साहिबाबाद, इंदिरापुरम, सिहानी गेट और कौशांबी थानाक्षेत्र में ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी लगाई है। इन आठ थानाक्षेत्रों को नो ड्रोन फ्लाई जोन घोषित किया गया है।

बता दें इससे पहले शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी के रविवार को नमो भारत स्टेशन साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर दिल्ली जाने के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां लगभग पूरी हो गई है। प्रधानमंत्री के तय रूट व नमो भारत स्टेशन को स्वागत के लिए सजाया जा रहा है।

250 किमी निर्माणाधीन मेट्रो लाइन, "आप" सरकार का दिल्ली के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर जोर

सुषमा रानी

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में "आप" सरकार दिल्ली के अंदर इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने को लेकर गंभीर है। दिल्ली की सीएम आतिशी ने बताया कि रविवार को केंद्र सरकार और दिल्ली की ₹आपर₹ सरकार मिलकर दिल्ली- एनसीआर को नई मेट्रो लाइन और आरआरटीएस की सौगात देने जा रही है। रविवार को दिल्ली मेट्रो फेज़-4 के रिठाला-कुंडली कॉरिडोर का शिलान्यास और जनकपुरी पश्चिम से कृष्णा पार्क एक्सटेंशन का उद्घाटन किया जाएगा। जबकि न्यू अशोक नगर से साहिबाबाद के बीच आरआरटीएस लाइन का उद्घाटन होगा। वहीं, दिल्ली- अलवर और दिल्ली-पानीपत कॉरिडोर को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि पिछले दस साल में ₹आपर₹ की सरकार में 200 किमी मेट्रो लाइन बनीं और 250 किमी से ज़्यादा मेट्रो लाइन निर्माणाधीन है। 2015 से अबतक हमने मेट्रो विस्तार के लिए 7,278 करोड़ रुपए निवेश किया है, जबकि आरआरटीएस में 1,260 करोड़ रुपए दिए हैं।

सीएम आतिशी ने कहा कि रविवार को दिल्ली के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में एक अहम दिन है। क्योंकि दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार जिस प्रोजेक्ट पर एक साथ काम कर रहे हैं, उन दो महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन होने वाला है। रविवार को दिल्ली मेट्रो की रिठाला से कुंडली कॉरिडोर, जो फेज 4 में आता है, उसका शिलान्यास किया जाएगा। तो वहीं मेट्रो की मजेंटा लाइन का जनकपुरी वेस्ट से कृष्णापुरी पार्क तक एक्सटेंशन का उद्घाटन किया जाएगा। रविवार से वह मेट्रो लाइन काम करना शुरू कर देगी।

सीएम आतिशी ने आगे कहा कि पिछले 10 सालों में मजेंटा लाइन भी बनी, जिसमें बॉटेनिकल गार्डन से कालकाजी मंदिर और कालकाजी मंदिर से जनकपुरी वेस्ट को जोड़ा गया। ग्रे लाइन बनी, जहां द्वारका से नजफगढ़ और नजफगढ़ से ढांसा बस स्टैंड का विस्तार हुआ। अभी हाल ही में एयरपोर्ट मेट्रो लाइन के विस्तार में द्वारका सेक्टर 21 से यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25 में मेट्रो का विस्तार हुआ है।

सीएम आतिशी ने कहा कि दिल्ली मेट्रो का जितना विस्तार पिछले 10 सालों में आम आदमी पार्टी की सरकार में हुआ, उतना विस्तार पहले कभी नहीं हुआ। जब मेट्रो की रफ्तार बढ़ती है, लोगों की आवाजाही की रफ्तार बढ़ती है, तो दिल्ली की अर्थव्यवस्था बढ़ती है। यही कारण है कि दिल्ली का जीएसडीपी लगातार बढ़ रहा है और यहां लोगों की प्रति व्यक्ति आय बढ़ रही है।

सीएम आतिशी ने कहा कि रविवार को इसके अलावा एक और महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट आरआरटीएस (रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम) का भी उद्घाटन है। एनसीआर (नेशनल कैपिटल रीजन), जिसका कुछ हिस्सा यूपी, हरियाणा और राजस्थान में है। यह एनसीआर दिल्ली के आर्थिक विकास से जुड़ा हुआ है। बहुत सारे ऐसे लोग हैं जो सोनीपत, बल्लभगढ़, नोएडा या फरीदाबाद में रहते हैं, लेकिन दिल्ली आकर काम करते हैं। वैसे ही दिल्ली में कई ऐसे लोग हैं जो रहते दिल्ली में हैं, लेकिन नौकरी करने के लिए गुरुग्राम, नोएडा या ग्रेटर नोएडा जाते हैं। इसलिए इस आरआरटीएस प्रोजेक्ट को केंद्र सरकार और दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और यूपी की राज्य सरकारों ने मिलकर फंड किया है। दिल्ली सरकार ने इस आरआरटीएस में 1,260 करोड़ रुपए दिए हैं। आरआरटीएस में अभी तीन कॉरिडोर को प्राथमिकता दी जा रही है। इसमें दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर, दिल्ली-अलवर कॉरिडोर और दिल्ली-पानीपत कॉरिडोर शामिल हैं। दिल्ली मेरठ कॉरिडोर का एमओयू साइन हो चुका है। हमारी सरकार ने इसके लिए 1,260 करोड़ रुपए की फंडिंग दी है। वहीं, दिल्ली-अलवर और दिल्ली-पानीपत कॉरिडोर को दिल्ली सरकार की कैबिनेट की मंजूरी दे दी गई

उन्होंने कहा कि आरआरटीएस जो केंद्र सरकार और दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और यूपी की राज्य सरकारों का संयुक्त उद्यम है। रविवार को आरआरटीएस के पहले हिस्से का उद्घाटन होगा। इसमें पहली लाइन साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर तक इस आरआरटीएस लाइन की शुरुआत की जाएगी। मुझे इस बात की खुशी है कि केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार मिलकर दिल्ली मेट्रो और आरआरटीएस दोनों प्रोजेक्ट्स को फंड कर रही हैं। इसके इंफ्रास्ट्रक्चर से दिल्ली के आर्थिक विकास को गति मिलेगी। मुझे खुशी है कि रविवार को केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों मिलकर दिल्ली मेट्रो की नई लाइन और आरआरटीएस की नई लाइन का उद्घाटन कर रहे हैं।

महाकुंभ "अर्थव्यवस्था", 45 दिन 90 हजार करोड़ जीडीपी

संजय बाटला

अब जाकर समझ आया और अब आप भी समझे सनातन सिर्फ धर्म नहीं स्वयं में ही अर्थव्यवस्था हैं। अयोध्या, काशी जैसे धार्मिक स्थल और कुम्भ जैसे लगने वाले धार्मिक उत्सव भारत देश की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा हैं। जो लोग यह कहते है की क्या मंदिर खाना देगा तो आज दुनिया देख रही है की सनातन का यह हिस्सा ही है अर्थव्यवस्था के चक्र को तेजी से घुमा रहा है।

10 बिलियन डॉलर यानि 90 हजार करोड़ रुपया कुम्भ से,

अंदाजन 45 करोड़ लोग कुम्भ में आएंगे और अगर औसत हर इंसान का खर्चा मात्र 2000 रुपए मान लिया जाए तो आए हुए लोग खर्च करते है 90000 करोड़ यानि 10 बिलियन डॉलर। अर्थात सिर्फ एक कुम्भ मेले से 90000 करोड़ से ज्यादा की जीडीपी पैदा होगी और वह भी मात्र एक उत्सव और एक शहर से। जब की दुनिया देख रही हैं कैसे पाकिस्तान आज भी 7 बिलियन के कर्ज के लिए आईएमएफ़ के पीछे लगा है।

स्कूलों में छात्रों की संख्या का घटना चिन्ताजनक

ललित गर्ग

भारत में शिक्षा प्रणाली लाखों छात्रों के जीवन और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने समृद्ध इतिहास और विविध संस्कृति के साथ, भारत में एक जटिल और विशाल शैक्षिक परिदृश्य है।

शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्कूलों की संख्या बढ़ रही है, पर स्कूली छात्रों की संख्या घट रही है। स्कूली छात्रों की संख्या घटना न केवल चिंताजनक और विचारणीय है बल्कि नये भारत-सशक्त भारत निर्माण की एक बड़ी बाधा भी है। भारत में स्कूलों की संख्या में करीब 5,000 की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों सहित 14,89,115 स्कूल हैं। ये स्कूल 26,52,35,830 छात्रों को पढ़ाते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों को उनकी प्रतिष्ठा, स्थापना के वर्षों, महत्वपूर्ण स्कूल परिणामों, मार्केटिंग रणनीतियों आदि के कारण उच्च छात्र नामांकन प्राप्त होते हैं लेकिन पर साल 2022-23 व 2023-24 के बीच स्कूली छात्रों के नामांकन में 37 लाख की कमी आई है। यह स्थिति अनेक सवाल खड़े करती है। क्या स्कूली शिक्षा ज्यादातर बच्चों की पहुंच के बाहर है? क्या शिक्षा का आकर्षण पहले की तुलना में घटा है?

भारत में शिक्षा प्रणाली लाखों छात्रों के जीवन और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने समृद्ध इतिहास और विविध संस्कृति के साथ, भारत में एक जटिल और विशाल शैक्षिक परिदृश्य है। भारत में शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा सहित विभिन्न चरण शामिल हैं। महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। डेटा एग्रीगेशन प्लैटफॉर्म यूनिफाइड डिसट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की यह ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है। बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर होने के बावजूद छात्रों की संख्या का घटना गहन विमर्श का विषय है।

शिक्षा मानव-जीवन के विकास का आधार स्तंभ है। शिक्षा के अभाव में मानव-जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। यह मनुष्य को उत्कृष्टता एवं उच्चता के शिखर पर स्थापित करती है। शिक्षा प्रकाश एवं शक्ति का ऐसा स्रोत है जो नये भारत के विकास का आधार है। जो हमारी शारीरिक, मानसिक, भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों तथा क्षमताओं का निरन्तर सामंजस्यपूर्ण विकास करके नये भारत, सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूती देता है। देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन छात्रों के नामांकन में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई वहीं इनमें होने वाला छात्रों का नामांकन 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी श्रेणियों यानी लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि में है। जहां तक शिक्षा के बीच में छात्रों के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी स्तर में होने वाली बढ़ोतरी ज्यादा परेशान करने वाली है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2 प्रतिशत है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9 प्रतिशत हो जाती है। इसके पीछे ओबीसी और एससी-एसटी श्रेणी के छात्रों को दाखिले के दौरान होने वाली जटिल प्रक्रिया, मुश्किलें और किसी अभावग्रस्त छात्र के लिए आर्थिक मदद या छात्रवृत्ति जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है।

छात्रों के नामांकन की घटती संख्या को जाति के आधार पर अगर देखें, तो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के नामांकन में 25 लाख से अधिक, अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के छात्रों में 12 लाख और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के छात्रों में दो लाख की गिरावट हुई है। नामांकन से वंचित हुए अल्पसंख्यक छात्रों की संख्या तीन लाख है, जबकि इनमें से एक तिहाई मुस्लिम हैं। भारत में नई पीढ़ी को यथोचित शिक्षा नहीं मिल पा रही है। शिक्षा से वंचित रहने के जो कारण हैं, उनमें सबसे बड़ा कारण गरीबी है। सरकारी स्तर पर सरकारों ने गरीब छात्रों के लिए अनेक इंतजाम किए हैं, पर इन इंतजामों का सभी छात्रों तक समान रूप से पहुंचना आसान नहीं है। निचले स्तर पर शिक्षकों और शिक्षा कर्मचारियों को जितना सजग होना चाहिए, उतना सजग वे नहीं हो पा रहे हैं। भारत जैसे देश में शिक्षा एक अभियान है, इसके लिए अगर नियोजित एवं उत्साहपूर्ण माहौल न बनाया जाए, तो गरीब व वंचित बच्चों तक शिक्षा को पहुंचाना चुनौतीपूर्ण है। कोई संदेह नहीं कि किसी भी अभियान में अगर समर्पित लोग आपके पास नहीं हैं, तो फिर उस अभियान की सफलता संदिग्ध हो जाती है।

भारत में शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की जरूरत है। यदि हमें सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करना है और सही दिशा में आगे बढ़ना है तो कई पहलुओं एवं मोर्चों पर काम करना आवश्यक है। हमारी आजादी के बाद से ही शिक्षा क्षेत्र में कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन्होंने हमें दुनिया में एक विकसित राष्ट्र बनने से रोक दिया है। भारत में एक सभ्य शिक्षा प्रणाली के महत्व की जरूरत को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नयी शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। देश की शिक्षा प्रणाली को नया आकार दिया जा रहा है और शिक्षा से जुड़े कई बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। प्रणाली को आधुनिक बनाने और व्यावसायिक प्रशिक्षण शुरू करने के प्रयास हो रहे हैं। बहरहाल, यह खुशी की बात है कि अब भारत के 91.7 प्रतिशत स्कूलों तक बिजली पहुंच चुकी है। अभियान चलाकर देश के बाकी बचे स्कूलों तक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। देश में 98 प्रतिशत से ज्यादा स्कूलों तक पेयजल सुविधा के साथ ही टॉयलेट की सुविधा पहुंच चुकी है। स्कूलों को संसाधन संपन्न बनाने के साथ ही शिक्षकों और पुस्तकों की गुणवत्ता एवं स्कूलों को संसाधन के स्तर पर भी बहुत मजबूत करने की जरूरत है। भारत के 60 प्रतिशत स्कूलों में भी कंप्यूटर उपलब्ध नहीं हैं और इंटरनेट की सुविधा वाले स्कूलों की संख्या 50 प्रतिशत से भी कम है। आज के समय में जब हमें बड़े पैमाने पर कुशल कामगारों की जरूरत पड़ेगी, तब किसी का कंप्यूटर शिक्षा से वंचित होना बहुत महंगा पड़ेगा। आज के समय में हर छात्र या हर नागरिक को कंप्यूटर और इंटरनेट का सामान्य ज्ञान होना ही चाहिए। कंप्यूटर आज के समय में विलासिता नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य जरूरत है।

नया भारत बनाने के लिए शिक्षा का बहुत महत्व है। शिक्षा के ज़रिए ही देश का विकास होता है और समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। हालांकि, कई स्कूल अभिभावकों और छात्रों को बनाए रखने और आकर्षित करने के लिए संघर्ष करते हैं। इन संघर्ष की स्थितियां का नियंत्रित होना जरूरी है। इसी से भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था एवं विश्व गुरु होने का दर्जा पा सकेगा। क्योंकि शिक्षा दृष्टि और दृष्टिकोण को बढ़ाती है, जिससे समाज में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा होती है। इससे उन्नत एवं चरित्रसम्पन्न नागरिकों का निर्माण होता है एवं देश विकास की ओर अग्रसर होता है। सामाजिक न्याय के क्षेत्र में प्रगति करने की इच्छा भी बढ़ती है, अन्याय, भ्रष्टाचार, हिंसा, असमानता और सांप्रदायिकता आदि से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। शिक्षा एक ऐसे लोकतंत्र को सुनिश्चित करती है जिसमें एक सभ्य और सुसंस्कृत समाज शामिल हो। यह आर्थिक रूप से वंचित समूहों के उत्थान में भी मदद करता है और कई नौकरी और रोजगार के अवसरों का निर्माण सुनिश्चित करता है। एक सभ्य शिक्षा प्रणाली विचारों, ज्ञान और अच्छी प्रथाओं का शांतिपूर्ण आदान-प्रदान सुनिश्चित करती है। यह अपराध और आतंकवाद को कम करने में मदद करता है; इस प्रकार, कानून और व्यवस्था के मुद्दों को नियंत्रण में रखा जाता है। एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली राष्ट्रीय और सांस्कृतिक मूल्यों को विकसित करने के साथ-साथ भाईचारे की भावना को बढ़ाने में मदद करती है।

भारतीय परिदृश्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच एक बड़ी बाधा है। उचित बुनियादी ढांचे की कमी और शिक्षा के प्रति समाज के कई वर्गों में कम उत्साह के कारण भारत में शिक्षा के लक्ष्य पूरे नहीं हो पाते हैं। शिक्षा प्रणाली में कुछ चुनौतियाँ हैं जिनके कारण भारत इष्टतम विकास को पूरा करने में सक्षम नहीं है। भारत में शिक्षा के परिदृश्य को बेहतर बनाने एवं छात्रों के नामांकन को बढ़ाने के लिए उन नीतियों पर सख्ती से काम करने की आवश्यकता है जो भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करें।

शिक्षा का गिरता स्तर: चिंता का विषय

वर्तमान समय में शिक्षा का स्तर दिन-प्रतिदिन गिरता जा रहा है। जो हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती और चिंता का विषय है। शिक्षा ही एक ऐसा हथियार है जिसके द्वारा सभी प्रकार के किले फतेह किए जा सकते हैं और देश तरक्की कर सकता है, परंतु चिंता का विषय है कि हमारी शिक्षा का स्तर दिन प्रतिदिन गिरता जा रहा है। एक समय था जब कक्षा चार पांच तक पढ़ा व्यक्ति अच्छे-अच्छे पदों पर काम करता था, परंतु आजकल का बीए पड़ा विद्यार्थी भी उसका मुकाबला नहीं कर सकता। इसकी वजह हमारी शिक्षा का गिरता स्तर व उस में पाई जाने वाली बहुत सी खामियां हैं

सरकारी स्कूलों में विभिन्न प्रकार की मुफ्त सुविधाएं होते हुए भी माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ाना नहीं चाहते, इसकी वजह यह है कि प्राथमिक स्कूल ही बच्चे का आधार होता है वहीं से सब कुछ गड़बड़ हो जाता है। प्राथमिक स्कूलों में एक तो अध्यापकों की कमी रहती है एक या दो अध्यापकों के सहारे ही स्कूल चलाए जाते हैं। पढ़ाई के अतिरिक्त जो दूसरे कार्य हैं डाक बनाना, हिसाब-किताब रखना जैसे बहुत से कार्य होते हैं जो पढ़ाई में बाधक हैं। अध्यापक बच्चों को पढ़ाए या इन कार्यों का हिसाब-किताब करें। पढ़ाई के अलावा अन्य गतिविधियां भी करवाई जाती है। पहले ही स्टाफ की कमी ऊपर से दूसरे कामों का बोझ। अभी अध्यापक स्कूल की पूरी व्यवस्था और बच्चों को समझ नहीं पाता कि कमी कहां है? थोड़ा बहुत प्रयास करता है सुधारने के लिए कि उसे बदली का डर सताने लगता है। नया अध्यापक बच्चों को समझने में समय लगा देता है, परंतु उसका पढ़ाने का अपना तरीका होता है। बच्चे उस तरीके को अच्छी तरह से नहीं अपना पाते शिक्षा का स्तर गिरता है। बहुत से माता-पिता ऐसे हैं जो बच्चे की तरफ ध्यान नहीं देते। स्कूल में अध्यापकों के बुलाने पर भी बहुत कम आते हैं। पहली से आठवीं तक देखे ग्रेडिंग सिस्टम बिलकुल सही नहीं है। अध्यापक मेहनत तो करवाते हैं परंतु बच्चे पढ़ाई की तरफ ध्यान नहीं देते। उनको पता है कि हम तो बिना पढ़े, बिना कुछ लिखे भी पास ही हैं। बच्चे आठवीं पास कर जाते हैं, परंतु सरकार की अच्छी पहल है कि अब पांचवीं और आठवीं में भी बच्चे फेल होंगे। माता-पिता उनकी तरफ ध्यान नहीं देते। उनके बच्चे को कुछ आए चाहे न आए। उनको तो बस इतना है कि बच्चा पास हो गया नौवीं कक्षा में पहुंच गया। बच्चा ठीक ही चल रहा है। माध्यमिक स्कूलों से बहुत से बच्चे ऐसे आते हैं जो लिखने पढने में काफी कमजोर होते हैं। कुछ बच्चे अच्छे भी आते हैं। नौवीं कक्षा में वे बच्चे अच्छे बच्चों के साथ नहीं चल पाते और उनकी कमियां वैसे की वैसी बनी रहती हैं।

शिक्षा के स्तर का गिरना कोरोना महामारी की भी वजह है। उस दौरान पढ़ाई में जो कमी रह गई उसकी भरपाई अभी तक नहीं हो पा रही है। नौवीं-दसवीं कक्षा में बच्चे थोड़े समझदार तो हो जाते हैं। अपना अच्छा बुरा समझने लग जाते हैं, परंतु बाहर

का वातावरण उनको अपनी ओर आकर्षित करने लग जाता है। बच्चे फोन का सही इस्तेमाल न करके उसका दुरुपयोग करते हैं। पढ़ाई की तरफ ध्यान नहीं देते। कमियां उनकी जैसी की तैसी बनी रहती हैं। दूसरे बच्चे यह सोचते हैं कि पढने का क्या फायदा कोई नौकरी तो मिलनी नहीं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 छठी से बारहवीं तक रोजगार परक शिक्षा को लेकर आई है जो कि एक अच्छी पहल है। हमें उसे धरातल पर उतारने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। ऐसा न हो कि उसकी सिद्धांतिक जानकारी दी जाए, परंतु व्यावहारिक ज्ञान से उसे जोड़ा न जाए। हमें उससे भी उसे जोडन्ना होगा। हमारे सीमावर्ती बहुत से स्कूल ऐसे हैं जहां बच्चों की संख्या बहुत ज्यादा है। वहां या तो अध्यापक टिक नहीं पाते है यदि टिक पाते हैं तो बहुत सारी मुश्किलें वहां आती हैं। जिस कक्षा में 100 विद्यार्थी होंगे अध्यापक क्या-क्या करेगा। पढ़ाई करवाएगा या दूसरे काम निपटाएगा। अगर एक भी अध्यापक वहां से चला जाता है, दूसरा वहां आसानी से नहीं आ पाता। एक ही अध्यापक की बात नहीं दो-दो, तीन-तीन पद खाली रहते हैं। सारा बोझ दूसरे अध्यापकों पर पड़ जाता है। अगर कोई अध्यापक वहां पर आता है तो विवशता के कारण जिसको कहीं जगह नहीं मिलती। दूसरे आजकल किसी बच्चे को कोई कुछ कह भी नहीं सकता। जब बच्चे को सही व्यवस्था नहीं मिलेगी तो सही पढ़ाई नहीं हो पाएगी। सही पढ़ाई नहीं होगी तो शिक्षा का स्तर तो गिरेगा ही गिरेगा।

शिक्षा का स्तर गिरने की एक वजह यह भी है कि जो अच्छे-अच्छे बच्चे होते हैं निजी स्कूलों में चले जाते हैं। जिन बच्चों के माता-पिता निजी स्कूलों में नहीं पढ़ा पाते वे बच्चे सरकारी स्कूलों में प्रवेश ले लेते हैं। जो बच्चे निजी स्कूलों में नहीं चल पाते हैं उनके माता-पिता भी उनको सरकारी स्कूल में दाखिल करवा देते हैं। सरकारी स्कूलों में पढ़ाई के अतिरिक्त दूसरे जितने कार्य होते हैं उतने शायद निजी स्कूलों में नहीं होते। चुनावों की चिंता उनको नहीं है। वोट बनाना, छात्रवृत्ति का कार्य, दोपहर का भोजन, जनगणना, अन्य गतिविधियां, उनकी तैयारी करवाना, फोटो खींचना, अपलोड करना, जिस कार्य के प्रभारी हैं उसकी सारी जिम्मेदारी निभाना। जबकि निजी स्कूलों में अध्यापकों का फोकस सिर्फ पढ़ाई पर ही होता है। सरकारी स्कूलों में अध्यापकों की कभी पांच दिन की ट्रेनिंग, कभी दस दिन की ट्रेनिंग शिक्षा का स्तर तो गिरेगा ही। और भी बहुत सी खामियां हैं जिनके कारण शिक्षा के स्तर व बच्चों की संख्या में कमी होती जा रही है। जिसकी वजह उचित सुविधाओं का न होना भी है।

पैदल चलने का झंझट भी बच्चों की घटती संख्या का कारण है। आज के जमाने में कोई भी ऐसे अभिभावक नहीं होंगे जो अपने बच्चों को वर्दी, खाना, किताबें आदि मुहैया नहीं करवा सकते। उन्हें मुफ्त सुविधाओं की बजाय अच्छी शिक्षा चाहिए। जो उनके बच्चे को प्रतियोगिता के जमाने में कहीं ना कहीं अपने पैरों पर खड़ा होने के योग्य बनाएं। शिक्षा का स्तर ऊपर उठाने के लिए जरूरी है शिक्षा स्तर में पाई जाने वाली कमियों को दूर करना। अधिक से अधिक बजट का प्रावधान और उसका सदुपयोग करना। कमरों की, अध्यापकों की कमी को दूर करना। ऐसी व्यवस्था को समाप्त करना जो शिक्षा स्तर के गिरावट का कारण है। सरकारी स्कूलों में वे सभी सुविधाएं देना जो निजी स्कूलों में उपलब्ध है। अध्यापकों के ऊपर जो अनावश्यक बोझ डाला जा रहा है उसे कम करना। अध्यापकों का एक ही लक्ष्य होना चाहिए गुणवत्ता से युक्त शिक्षा देना।

डा.जयपाल ठाकुर शिक्षाविद

सांप को दूध पिलाने जैसी है इन 5 लोगों से दोस्ती

एक कहावत है सांप को दूध पिलाना यानी किसी ऐसे व्यक्ति पर भरोसा करना जो आपका बुरा ही चाहे। कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनकी दोस्ती (Toxic Friendship) आपके जीवन में तूफान ला सकती है। ये लोग आपके साथ छल-कपट करते हैं आपका फायदा उठाते हैं और आखिर में आपको बर्बाद करके ही छोड़ते हैं। आइए यहां आपको ऐसे ही 5 दोस्तों (Fake Friends) के बारे में बताते हैं।

जिंदगी का सफर बेहद खूबसूरत होता है और इस सफर को और यादगार बनाने में अच्छे दोस्तों का बहुत बड़ा रोल होता है। सच्चे दोस्त हमारे हर सुख-दुख में साथ निभाते हैं, हमें मोटिवेट करते हैं और लाइफ को और ज्यादा मीनिंगफुल बनाते हैं, लेकिन यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि हर कोई आपका सच्चा दोस्त नहीं हो सकता है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो दोस्त बनकर आपके साथ सिर्फ धोखा (Life-Ruining Friendships) करते हैं। आइए जानते हैं ऐसे 5 तरह के लोगों के बारे में जिनसे आपको दोस्ती करने से बचना चाहिए।

इन 5 लोगों से न करें दोस्ती

ढोंग करते हैं

ये लोग हमेशा मुखौटा पहने रहते

हैं। वे आपके सामने बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन पीठ पीछे आपकी बुराई करते हैं। ये लोग आपके विश्वास का फायदा उठाते हैं और आपको धोखा देते हैं।

रखते हैं जलन

ये लोग हमेशा दूसरों की सफलता देखकर जलते हैं। वे आपकी खुशी नहीं देख सकते और आपके खिलाफ साजिश रचते हैं। ये लोग सिर्फ आपकी लाइफ में नेगेटिविटी से ज्यादा और कुछ नहीं लाते हैं।

सेल्फ ऑब्सेस्ड

ये लोग सिर्फ अपने बारे में सोचते हैं। वे दूसरों की भावनाओं की परवाह नहीं करते हैं। ये लोग हमेशा आपसे उम्मीद करते हैं कि आप उनकी मदद करें लेकिन जब आप उनकी मदद की जरूरत में होते हैं तो वे आपको अकेला छोड़ देते हैं।

झूठे लोग

ये लोग हमेशा झूठ बोलते हैं। ऐसे लोग आपको धोखा देने में माहिर होते हैं। ये लोग आपके साथ विश्वासघात करते हैं और आपके रिश्तों को भी बर्बाद कर देते हैं।

आलसी लोग

मेहनत से दूर रहना ऐसे लोगों की आदत होती है। ये लोग हमेशा दूसरों से उम्मीद करते हैं कि वे उनके लिए काम करें। यकीन मानिए, ऐसे दोस्त आपकी जिंदगी में एक बोझ की तरह होते हैं।

बेहद नुकसानदायक है इन लोगों से दोस्ती

इन लोगों के साथ रहने से आप मानसिक रूप से बहुत परेशान हो सकते हैं।

ऐसे लोगों से धोखा खाने के बाद आप किसी पर भी विश्वास नहीं कर पाएंगे।

इन लोगों के साथ दोस्ती करने के बाद आप अकेला महसूस करेंगे।

ये लोग आपकी कामयाबी में बाधा डालने के मौके ढूंढेंगे।

इन लोगों से बचने के तरीके

किसी पर भी आसानी से विश्वास न करें। लोगों को ध्यान से समझें और उनके व्यवहार पर नजर रखें।

जब आप किसी के साथ बातचीत करते हैं तो अपने अंदर की आवाज सुनें। अगर आपको कुछ अजीब लगता है तो उस व्यक्ति से दूरी बना लें।

हमेशा पॉजिटिव माइंडसेट और मेहनती लोगों के साथ दोस्ती करें।

खुद पर विश्वास रखें और अपने गोल्स को अचीव करने के लिए कड़ी मेहनत करें।

पर्यटकों की बढ़ती संख्या के नाते यूपी सर्वाधिक लाभान्वित राज्य

अयोध्या तो इसका उदाहरण मात्र है। पर्यटकों की पसंद की अन्य जगहों पर भी कमोबेश यही स्थित है। एशिया का सबसे बड़ा जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी तेजी से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के पसंदीदा स्थल के रूप में उभरा है।

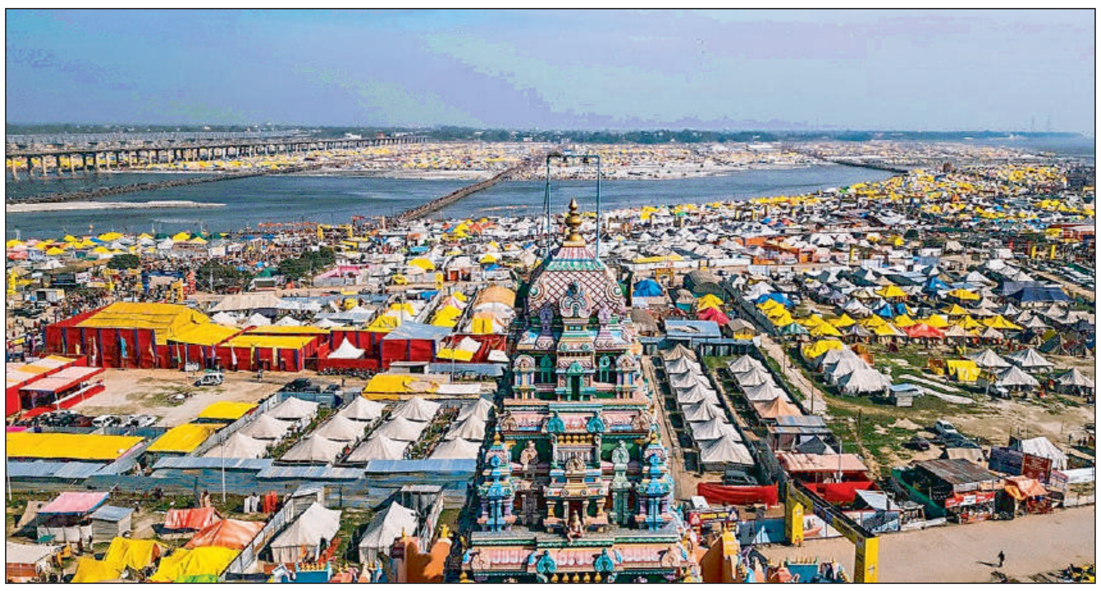

उत्तर प्रदेश में पर्यटन के साथ हॉस्पिटैलिटी सेक्टर भी बूम पर है। हॉस्पिटैलिटी और इससे जुड़े सेक्टर्स में लगातार रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के नाते स्वाभाविक रूप से उत्तर प्रदेश सर्वाधिक लाभान्वित राज्य है।

ग्लोबल हायरिंग इनडीड की एक रिपोर्ट के अनुसार 2023 में टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की रिक्तियों में 50 फीसद की वृद्धि देखी गई। अगले कुछ वर्षों तक इसमें 24 फीसद तक की और वृद्धि संभव है। इसका स्वाभाविक लाभ अयोध्या, वाराणसी, ब्रज और जेवर आदि और इनके आसपास के शहरों को मिलेगा। मसलन, राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होने के बाद से ही अयोध्या हॉस्पिटैलिटी सेक्टर का पसंदीदा स्थल बन कर उभरा है। कई नामचीन ब्रांड वहां होटल बनाने को लालायित हैं। ताज सहित दो दर्जन से अधिक होटलों के निर्माण को मंजूरी मिल चुकी है। स्थानीय होटल भी अपनी क्षमता के अनुसार अपनी प्रॉपर्टी के विस्तार और बेहतरी में लगे हैं।

अयोध्या तो इसका उदाहरण मात्र है। पर्यटकों की पसंद की अन्य जगहों पर भी कमोबेश यही स्थित है। एशिया का सबसे बड़ा जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी तेजी से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के पसंदीदा स्थल के रूप में उभरा है।

सीएम योगी की मंशा पर्यटन को जन उद्योग बनाने की

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा तो पर्यटन को स्थानीय लोगों से जोड़कर इसे जन उद्योग बनाने की है। इसीलिए वह प्रयागराज के महाकुंभ और मकर संक्रांति से लेकर करीब महीने भर तक गोरखनाथ मंदिर परिसर में चलने वाले खिचड़ी मेले तथा ऐसे ही अन्य अवसरों के लिए कह चुके हैं कि स्थानीय लोग पर्यटकों, श्रद्धालुओं की सेवा सत्कार से इसे ब्रांड बनाएं। सरकार अपनी ओर से इस बाबत जो संभव है, वह कर रही है।

इंडस्ट्री के लिए कुछ और छूट देने का विचार कर रही सरकार

प्रदेश में हॉस्पिटैलिटी और टूरिज्म के सेक्टर में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए योगी सरकार अयोध्या, लखनऊ, वाराणसी सहित प्रदेश के अन्य बड़े शहरों में होटल्स के निर्माण में कुछ और छूट देने की भी सोच रही है। जगह के मानकों को लेकर कुछ छूट दी भी गई है। होम स्टे को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

क्या कहते हैं इंडस्ट्री के लोग

आईटीसी मौर्या नई दिल्ली में वैंक्वेट मैनेजर रहे भव्य मल्होत्रा के मुताबिक प्रति कमरा, तीन सर्विस प्रोवाइडर किसी अच्छे होटल के लिए आदर्श स्थिति होती है। इसमें फ्रंट ऑफिस, हाउस कीपिंग, फूड एंड बेवरेज, लाउंड्री, फाइनेंस, एचआर, हॉर्टिकल्चर, सेल्स आदि विभाग होते हैं। अगर प्रॉपर्टी छोटी है तो कुछ विभाग न होने से सर्विस प्रोवाइडर्स की संख्या कुछ कम हो सकती है। पर, प्रति कमरा दो कर्मचारी तो होने ही चाहिए। इससे कम होने पर आप अपने ग्राहकों को संतोषजनक सेवा नहीं दे पाएंगे।

हॉस्पिटैलिटी के साथ इससे जुड़े सेक्टर्स की भी चांदी

पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने का लाभ होटल इंडस्ट्री के अलावा इससे जुड़े एविएशन, रेलवे, सड़क परिवहन निगम और लाजिस्टिक्स से जुड़े सेक्टर्स और स्थानीय लोगों को भी होगा। वहां के खास उत्पाद की खरीद होने पर स्थानीय कला या उत्पाद को व्यापक पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री की सबसे पसंदीदा योजना ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) की अपने आप ब्रांडिंग हो जाएगी।

आप के 5 बड़े नेताओं की बढ़ी टेंशन; बीजेपी-कांग्रेस के दिग्गज चेहरों ने रोचक बना दिया दिल्ली चुनाव

परिवहन विशेष

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के दिग्गजों को चुनौती देने के लिए बीजेपी और कांग्रेस ने अपने बड़े-बड़े नेताओं को मैदान में उतारा है। अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रवेश वर्मा आतिशी के खिलाफ रमेश बिधूड़ी और मनीष सिसोदिया के खिलाफ तरविंदर सिंह मारवाह को टिकट दिया गया है। इन सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा। पढ़िए विस्तार से...

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली सूची जारी की है। इससे पहले आम आदमी पार्टी ने सभी 70 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। वहीं कांग्रेस ने भी 48 प्रत्याशियों का एलान कर दिया है। इस लिस्ट में आम आदमी पार्टी के टॉप लीडरशिप को घेरने के लिए भाजपा और कांग्रेस ने दिग्गज चेहरों को उतारा है।

चुनावी रण में सबसे बड़ा नाम दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल का है। यहां पर भाजपा ने अपने फायरब्रांड नेता प्रवेश वर्मा को टिकट दिया है। इसकी पहले से ही संभावना जताई जा रही थी कि केजरीवाल के खिलाफ प्रवेश वर्मा को उतारा जा सकता है। कई बार प्रवेश वर्मा ने भी संकेत दिए थे कि वह ही केजरीवाल के खिलाफ उतरेंगे। उन्होंने तब कहा था कि पार्टी ने उन्हें नई दिल्ली सीट पर अपनी तैयारी शुरू करने को कहा था। वहीं कांग्रेस भी केजरीवाल से पुराना हिसाब चुकता करना चाहती है। इसी को देखते हुए पूर्व सीएम शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को टिकट दिया गया है।

बीजेपी के पूर्व सांसद से आतिशी का मुकाबला

नई दिल्ली के अलावा जो दूसरी सीट इन दिनों सुर्खियों में है, वह है कालकाजी सीट। दरअसल, आम आदमी पार्टी की यहां पर दो बार से दबदबा रहा है। 2015 में आप से अवतार सिंह विधायक थे। वहीं 2020 के चुनाव में आतिशी ने बीजेपी के धर्मबीर को 11 हजार से अधिक मतों से हराया था। अब यहां पर बीजेपी ने अपने फायरब्रांड नेता रमेश बिधूड़ी को उतारा है। रमेश बिधूड़ी दक्षिणी दिल्ली से सांसद रह चुके हैं। लोकसभा चुनाव में उन्हें टिकट नहीं दिया गया था। इस बार उन्हें आतिशी के खिलाफ उतारा गया है। वहीं कांग्रेस ने अपनी तेजतर्रार नेता अलका लांबा को यहां से टिकट दिया गया है। अलका लांबा महिला कांग्रेस की वर्तमान अध्यक्ष भी हैं। वह चांदनी चौक सीट से आप के टिकट पर विधायक रह चुकी हैं।

जंगपुरा सीट पर दिग्गजों के बीच 'जंग'

तीसरी सीट जंगपुरा की है, जहां पर तीन दिग्गजों के बीच जंग है। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया इस सीट से आप के उम्मीदवार है। सिसोदिया इससे पहले पटपड़गंज सीट से चुनाव जीतते थे, लेकिन इस बार हवा की रुख को भांपते हुए उन्हें जंगपुरा की सीट दी गई है। वहीं कांग्रेस ने इस सीट पर फरहाद सूरी को उतारा है। फरहाद सूरी दिल्ली कांग्रेस की दिग्गज नेता ताजदार बाबर के बेटे हैं। ताजदार बाबर दो बार विधायक रह चुकी हैं। वह पार्षद का चुनाव जीतते रहे हैं। वहीं, भाजपा ने तरविंदर सिंह मारवाह को सिसोदिया के खिलाफ उतारा है। मारवाह कभी कांग्रेस के ही चेहरे थे। वह जंगपुरा सीट से तीन बार विधायक रह चुके हैं। वह 2022 में भाजपा में चले गए थे।

आप के 'नाक' का सवाल बनी पटपड़गंज सीट

इसके बाद जिस सीट की चर्चा हो रही है, वह है पटपड़गंज सीट। यहां से आम आदमी पार्टी ने मशहूर शिक्षक अवध ओझा को उतारा है। अवध ओझा यूपीएससी के छात्रों को कोचिंग पढ़ाते हैं। उनकी छात्रों के बीच काफी गहरी पैठ है। हाल ही में वह आप में शामिल हुए थे और उन्हें सिसोदिया की सीट से उम्मीदवार बनाया गया। भाजपा ने यहां से रविंद्र सिंह नेगी को टिकट दिया गया है। 2020 के विधानसभा चुनाव में भी नेगी पटपड़गंज से उम्मीदवार थे। उनका मुकाबला सिसोदिया से था। जोरदार प्रचार के बावजूद नेगी सिसोदिया से महज 3,207 वोटों से हार गए थे। वहीं कांग्रेस ने अपने दिग्गज चेहरे अनिल चौधरी को यहां से टिकट दिया है। अनिल चौधरी दिल्ली कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं।

मालवीय नगर सीट पर मुकाबला दिलचस्प

पांचवी सीट जिसपर जबर्दस्त मुकाबला दिख रहा है, वह मालवीय नगर सीट। आम आदमी पार्टी ने इस सीट से सोमनाथ भारती को उतारा है। सोमनाथ भारती 2014 के लोकभा चुनाव में नई दिल्ली सीट से भी उम्मीदवार थे। तब उन्हें बीजेपी की बांसुरी स्वराज से हार का सामना करना पड़ा था। इस सीट से भाजपा ने अपने दिग्गज नेता सतीश उपाध्याय को उतारा है। वह दिल्ली बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। वर्तमान में वह नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। वहीं कांग्रेस ने जितेंद्र कुमार कोचर को यहां से उम्मीदवार बनाया है। कोचर इससे पहले नगर निगम के नेता सदन रह चुके हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनावी दंगल में भाजपा की पहली टीम की घोषणा

सुषमा रानी

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 29 उम्मीदवारों की पहले लिस्ट जारी की जिसमें मंगोलपुरी विधानसभा से कांग्रेस छोड़कर आए राजकुमार चौहान को अपना उम्मीदवार मंगोलपुरी विधानसभा में उतर गया है वही बात की जाए गांधीनगर विधानसभा से अरविंद सिंह लवली चुनाव लड़ेंगे नई दिल्ली विधानसभा से अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रवेश साहिब सिंह वर्मा चुनाव में उतारे गए हैं जंगपुरा विधानसभा से दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के सामने तेजिंदर सिंह मारवाह चुनाव चुनाव लड़ेंगे वही बात की जाए राजेंद्र नगर विधानसभा से राजकुमार आनंद को अवसर दिया गया है वही करोल बाग विधानसभा से भाजपा से सीनियर लीडर दुष्यंत गौतम मैदान में उतारे गए हैं।

दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री रहे राजकुमार आनंद को पहले तो बहुजन समाज पार्टी के साथ में गए। इसके कुछ ही वक्त बाद वह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। अब बीजेपी ने उन्हें पटेल नगर विधानसभा सीट से ही उम्मीदवार बनाया है। वहीं केजरीवाल से बागी हुए छतरपुर के विधायक करतार सिंह तंवर को भी बीजेपी ने टिकट दिया है। उन्हें छतरपुर सीट से ही बीजेपी ने चुनावी दंगल में उतारा है।

दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत को भारतीय जनता पार्टी ने बिजवासन से टिकट दिया है। वह अभी नजफगढ़ विधानसभा सीट से विधायक हैं। आप सरकार में मंत्री बिजवासन से ही टिकट चाह रहे थे। बीजेपी ने उनकी इच्छा को पूरा करते हुए बिजवासन से ही चुनावी दंगल में उतारा है। कैलाश गहलोत को नजफगढ़ से चुनाव लड़ाया जाएगा या बिजवासन से यह काफी चर्चा का विषय बना हुआ था।

राजकुमार चौहान भी कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे। उन्हें बीजेपी ने मंगोलपुरी से टिकट दिया है। इसके अलावा पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के खिलाफ जंगपुरा से तरविंदर सिंह मारवाह को टिकट दिया गया है। कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए अरविंदर सिंह लवली को भी बीजेपी ने गांधी नगर विधानसभा सीट से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। मनजिंदर सिंह सिरसा को भी राजौरी गार्डन से मैदान में उतारा गया है।

बीजेपी ने इन दिग्गजों को भी चुनावी दंगल में उतारा। भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व बीजेपी सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा को नई दिल्ली सीट से दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा है। दक्षिण दिल्ली से 2024 तक बीजेपी सांसद रहे रमेश बिधूड़ी मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। बिधूड़ी को बीजेपी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं दिया। कांग्रेस ने कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र से अलका लांबा को मैदान में उतारा है। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता, अनुभवी ओम प्रकाश शर्मा, अजय महावर और जितेंद्र महाजन समेत मौजूदा बीजेपी विधायक क्रमशः रोहिणी, विश्वास नगर, घोंडा और रोहतास नगर से फिर से चुनाव लड़ेंगे।

जिन लोगों को लगता है कि उनके पानी के बिल ग़लत आए हैं, उन्हें बिल भरने की जरूरत नहीं है- केजरीवाल

सुषमा रानी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को दिल्ली की जनता को पानी के गलत बिल माफ करने की गारंटी दी। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर जिन लोगों के पानी के गलत बिल आए हैं, उनके सारे बिल माफ किए जाएंगे। उन्होंने पानी के गलत बिलों से परेशान दिल्ली के लोगों से कहा कि जिन लोगों को लगता है कि उनके पानी के बिल ग़लत आए हैं, उन्हें बिल भरने की जरूरत नहीं है। मुझे जेल भेज पीछे से पता नहीं क्या किया कि लोगों के हर महीने हजारों- लाखों रुपए के बिल आने लगे। हमारे दिल्ली के लोग किसी भी बात से दुखी और परेशान हों, हम यह बर्दाश्त नहीं कर सकते।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि दिल्ली में हमारी सरकार पिछले 10 साल से लोगों को फ्री पानी उपलब्ध करा रही है। हर महीने 20-20 हजार लीटर पानी हर परिवार को मुफ्त दिए जाते हैं। दिल्ली में लगभग 12 लाख से ज्यादा परिवारों के बिल जीरो आते हैं। लेकिन मुझे जेल भेज पीछे से पता नहीं क्या किया। कुछ तो गडबड़ की कि लोगों के हर महीने हजारों- लाखों रुपए के बिल आने लगे। लोग अपने पानी के बिलों को लेकर त्रस्त हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे दिल्ली के लोग किसी भी बात से दुखी और परेशान हो हम ये बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसलिए मैंने और भी कई मंचों से ऐलान किया है लेकिन आज सार्वजनिक और औपचारिक रूप से ऐलान करता हूं कि जिन लोगों को लगता है कि उनके पानी के बिल गलत आए हैं, उनके हजारों लाखों रुपए के बिल गलत हैं। तो उन लोगों को अपने पानी के बिल भरने की जरूरत नहीं है। वो इंतजार करें। आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी। चुनाव के बाद हम उनके गलत बिल माफ कर देंगे। यह मेरा सब लोगों से वादा है। यह मेरी दिल्ली के सभी लोगों को गारंटी है। लोगों को चिंतित या परेशान होने की जरूरत नहीं है। आम आदमी पार्टी उनके साथ खड़ी है।

गत 10 दिसंबर को अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के ऑटो वालों को अपनी पहली गारंटी दी थी। इसमें उन्होंने ऑटोवालों से पांच वादे किए हैं। पहला, ऑटो वाले की बेटी की शादी में सरकार की तरफ से 1 लाख रुपए दिए जाएंगे। दूसरा, साल में दो बार, होली और दीपावली पर वर्दी बनवाने के लिए ढाई-ढाई हजार रुपए हर ऑटोवाले को दिए जाएंगे। तीसरा, हर ऑटोवाले का 10-10 लाख रुपए का लाइफ इंश्योरेंस और 5-5 लाख रुपए का एक्सीडेंटल इंश्योरेंस करवाया जाएगा। चौथी, ऑटो वालों के बच्चों को किसी भी प्रतिस्पर्धी परीक्षा के लिए कोचिंग की जरूरत है तो उसकी फीस सरकार देगी। पांचवीं, सरकार फिर से पूछो एप को चालू करेगी।

इस योजना के तहत दलित समाज के बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा पूरी वित्तीय मदद की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य यह है कि आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण दलित समाज के योग्य छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न हो। इस योजना के तहत बच्चे का केवल विदेश की किसी यूनिवर्सिटी में दाखिला होना जरूरी है। इसके बाद दिल्ली सरकार इन छात्रों की ट्यूशन फीस, यात्रा, रहने और पढ़ाई से जुड़े सभी खर्च उठाएगी, ताकि वे बिना किसी आर्थिक बाधा के अपनी शिक्षा पूरी कर सकें।

उन्होंने दिल्ली की महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से महिला सम्मान राशि देने की गारंटी दी है। इस योजना के तहत आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद दिल्ली की 18 साल से अधिक उम्र की सभी महिलाओं को 2100 रुपए प्रतिमाह सम्मान राशि दी जाएगी। इसका लाभ लेने के लिए महिला को दिल्ली का निवासी और वोटर लिस्ट में नाम होना आवश्यक है। अगर महिला पूर्व या वर्तमान में सरकारी नौकरी कर रही है, सांसद, एमएलए, पार्षद या पेंशनर्स है तो वह इसके लिए पात्र नहीं होगी।

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के 60 साल से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को शानदार और मुफ्त इलाज मुहैया कराने के लिए संजीवनी योजना की गारंटी दी है। इसके तहत बुजुर्ग अपना इलाज निजी या सरकारी किसी भी अस्पताल में करा सकते हैं और उसका सारा खर्च दिल्ली सरकार उठाएगी।

मोहनलाल गिहारा का प्रधानमंत्री मोदी से वादा दिल्ली जीत के दिखाएंगे

सुषमा रानी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल गिहारा ने अपने गौरवशाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आज गर्मजोशी के साथ मुलाकात करते हुए वादा किया की दिल्ली में कमल खिलाकर भारतीय जनता पार्टी का परचम लहराएंगे और भाजपा की सरकार बनाएंगे उन्होंने कहा कि दिल्ली में 40% अनुसूचित जाति दलित लोगों की आबादी है जो पूरी तरह भाजपा के साथ है और उन्होंने इस बार माना है कि केजरीवाल सरकार को उखाड़ फेंकेंगे और मेरा भी आपसे यही वादा है कि इस बार दिल्ली में केजरीवाल सरकार का नामोनिशान मिटा देंगे और भाजपा का कमल खिलाकर ही दम लेंगे हमारे भाजपा कार्यकर्ता दिन-रात मेहनत और लगन के साथ जन-जन तक घर-घर तक जाकर कार्य कर रहे हैं और केजरीवाल सरकार की नाकामी और भाजपा सरकार की उपलब्धि के बारे में जानकारी दे रहे हैं इन सब बातों को जानकर दिल्ली की जनता ने इस बार मन बना लिया है कि भाजपा को लाना है और केजरीवाल सरकार को भगाना है।

मोहनलाल गिहारा ने प्रधानमंत्री मोदी से कहां की आपकी उदारवादी नीति और सबका साथ सबका विकास को लेकर जो आप चल रहे हैं देश की तमाम युवा पीढ़ी और देश का तमाम दलित वर्ग आपसे प्रभावित है आपने देश को विश्व शक्ति आर्थिक शक्ति और आत्मनिर्भर बनाया है मेक इन इंडिया के तहत देश को आसमान की बुलंदियों पर बिठा दिया है आज आने वाले कुछ वर्षों में देश का बच्चा-बच्चा कामयाब होगा और हमारा देश आपके नेतृत्व में विश्व गुरु बनेगा।

दिल्ली में भाजपा के पास न कोई सीएम चेहरा है, न कोई नैरेटिव है और ना ही कोई विजन है कि वह क्या करेगी?- केजरीवाल

सुषमा रानी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को भाजपा और कांग्रेस पर तीखे हमले किए। उन्होंने भाजपा को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि हम दिल्ली में अपने काम पर वोट मांग रहे हैं और भाजपा अपनी गालियों पर वोट मांग रही है। अब दिल्ली की जनता को तय करना है कि उसे काम चाहिए या गाली चाहिए। अभी तक दिल्ली में भाजपा के पास न कोई सीएम चेहरा है, न कोई नैरेटिव है और ना ही कोई विजन है कि वह क्या करेंगे? जबकि हम लोगों को बता रहे हैं कि पिछले 10 साल में हमने क्या काम किए और आने वाले पांच सालों में क्या काम करेंगे? वहीं उन्होंने एक-दूसरे का साथ दे रही भाजपा और कांग्रेस से कहा कि अब कांग्रेस-भाजपा को औपचारिक रूप से एलान कर देना चाहिए कि वो आम आदमी पार्टी के ख़िलाफ़ गठबंधन में चुनाव लड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अभी तक भाजपा के पास ना कोई सीएम चेहरा है, ना कोई नेरेटिव है और ना ही दिल्ली को लेकर कोई विजन है कि वह क्या करेंगे। उन्होंने दस साल में कोई काम नहीं किया। भाजपा सिर्फ आम आदमी पार्टी को गालियां देकर यह चुनाव जीतना चाहती है। हम लोगों को बता रहे हैं कि दस साल में हमने यह काम किए और आने वाले पांच सालों में यह काम करेंगे। हमें हमारे कामों के बल पर वोट दो। भाजपा कह रही है कि हमने दस साल में इतनी गालियां दीं। आने वाले पांच साल में अरविंद केजरीवाल को और अच्छी-अच्छी गालियां देंगे। हमें गालियां के नाम पर वोट दो। अब जनता को तय करना है कि वो गालियों का नाम पर वोट देगी या काम के नाम पर वोट देगी।

पंजाब में योजनाओं को लेकर अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन कर रही महिलाओं को लेकर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह कांग्रेस और भाजपा की ही महिलाएं हैं। यह पंजाब की महिलाएं नहीं है। पंजाब की सारी महिलाएं आम आदमी पार्टी के साथ हैं। उनको आम आदमी पार्टी पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा को अब औपचारिक रूप से ऐलान कर देना चाहिए कि वह मिलकर गठबंधन में आम आदमी पार्टी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। ये चोरी छिपे पीठ पीछे एक साथ गठबंधन करना ठीक नहीं है। हालांकि कांग्रेस को जनता ने गंभीरता से लेना बंद कर दिया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा में तीन तरह की आपदा आई हुई है। पहली, भाजपा के पास सीएम चेहरा नहीं है। दूसरी, भाजपा के पास नैरेटिव नहीं है, उन्हें पता ही नहीं है कि चुनाव किस मुद्दे पर लड़ना है। तीसरी, भाजपा के पास इस चुनाव के लिए कोई भी एजेंडा नहीं है। वहीं दिल्ली में एक आपदा कानून-व्यवस्था की आई हुई है। दिल्ली के अंदर खुलेआम गैंगस्टर्स गोलियां चला रहे हैं लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सुनाई नहीं दे रहा है। दिल्ली के अंदर महिलाएं रो रही हैं, चीख रही हैं, चिल्ला रही हैं लेकिन उनकी चीख-पुकार अमित शाह के कानों तक नहीं पहुंच रही है। व्यापारी रो रहे हैं, दया की भीख मांग रहे हैं। व्यापारी गैंगस्टरों से सुरक्षा मांग रहे हैं लेकिन इनके कानों तक उनकी आवाज नहीं पहुंच रही है। अगर अमित शाह को सरकारें तोड़ने-जोड़ने, विधायक खरीदने से फुर्सत मिल जाए तो थोड़ा सा वक्त दिल्ली की कानून-व्यवस्था पर भी दे दें।

जारियों और गुरुद्वारे के ग्रंथियों के लिए वेतन लेकिन बौद्ध विहार , बाल्मीकि मंदिर , रविदास मंदिर , कबीर मठ और चर्च के भिक्षुओं और पुजारियों के लिए क्यों नहीं ?: डॉ उदित राज

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली : डॉ. उदित राज, राष्ट्रीय चेयरमैन, दलित, ओबीसी, माइनॉरिटीज और आदिवासी (डोमा) परिसंघ ने आज प्रेस वार्ता करके दिल्ली सरकार से कुछ अहम सवाल पूछे ,

प्रेस वार्ता में भन्ते विनयशील महथेरो – अध्यक्ष, दिल्ली प्रदेश भिक्षु महासंघ, श्री रंजीत सिंह – महासचिव, भारतीय बौद्ध महासभा, डोमा परिसंघ के राष्ट्रीय महासचिव, एड. शाहिद अली, राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर एड. सतीश सांसी एवं किरणजीत सिंह गेरी चेयरमैन, नेशनल दलित महापंचयत भी मौजूद रहे।

उदित राज ने पूछा कि मंदिर के पुजारियों और गुरुद्वारे के ग्रंथियों के लिए वेतन मान की घोषणा कर दिया है लेकिन बौद्ध विहार, बाल्मीकि मंदिर, रविदास मंदिर, कबीर मठ और चर्च के भिक्षुओं और पुजारियों के लिए क्यों नहीं ?।

अंबेडकर सम्मान छात्रवृत्ति नई बोतल में पुरानी शराब जैसी घोषणा है। श्री अरविंद केजरीवाल ने 2020 के विधानसभा चुनाव से पहले दलित छात्रों के लिए इसी तरह की उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति की घोषणा की थी, लेकिन केवल कुछ ही छात्र इसका लाभ उठा पाए।

डॉ अंबेडकर का चित्र लगाकर वोट की ठगी कब तक चलेगी ? डॉ. राजेंद्र पाल गौतम, तत्कालीन समाज कल्याण मंत्री ने क्या गलती की थी जिनसे बड़े चतुराई से इस्तीफा ले लिया था।

क्या वजह है कि दलित समाज के 3 मंत्रियों को इस्तीफा देना पड़ा ,

डॉ. उदित राज जी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की दलित और आरक्षण विरोधी सोच कोई नई नहीं है। 2 अगस्त, 2008 को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के ताप्ती छात्रावास में यूथ फॉर इक्विलिटी फोरम के मंच से आरक्षण के विरोध में बोला था। इन्होंने यूथ फॉर इक्विलिटी का नेतृत्व करके आरक्षण की खिलाफत किया था। ये डॉ. अंबेडकर के नाम पर दलितों का वोट लेते हैं लेकिन डॉ. अंबेडकर के विचारों और दलितों से घृणा करते हैं।

शाहिद अली एडवोकेट ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने शुरू से ले कर अब तक सिर्फ़ ठगने का काम किया है, अफ़सोस की बात यह है कि सरकार ने दिल्ली के इमामों को 18 महीने से सैलरी नहीं दी है जिसकी वजह से हमारे इमाम काफ़ी परेशान हैं। मेरी दिल्ली सरकार से मांग है कि इमामों की सैलरी तुरंत रिलीज़ की जाए।

अमित शाह ने केजरीवाल को कराई अपने कामों की गिनती, बदले में मांगा- 'शीशमहल' का हिसाब

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में नवनिर्मित कामकाजी महिला छात्रावास सुषमा भवन का उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने मोती बाग के माडर्न एनिमल केयर फैसिलिटी का भी वर्चुअल अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने दिल्ली सरकार पर जमकर हमला बोला और कहा कि केजरीवाल सरकार अपने कामों का हिसाब दे हम तो अपना हिसाब दे रहे हैं।

दक्षिणी दिल्ली। लक्ष्मी बाई नगर में नवनिर्मित कामकाजी महिला छात्रावास 'सुषमा भवन' का शनिवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने मोती बाग के माडर्न एनिमल केयर फैसिलिटी का भी वर्चुअल अनावरण किया।

कामकाजी महिला छात्रावास का नामकरण पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के नाम पर किया गया है। अमित शाह ने कहा कि सुषमा स्वराज एनडीए 1 और एनडीए 2 के दौरान मंत्री थीं और कई महत्वपूर्ण विभागों को संभाला। उन्हें विदेश मंत्री या स्वास्थ्य मंत्री से ज्यादा विपक्ष की प्रखर नेता के तौर पर याद किया जाएगा।

सुषमा स्वराज ने विपक्ष नेता के तौर पर कांग्रेस के लाखों करोड़ के भ्रष्टाचार को संसद में उजागर किया। लोकतंत्र का इतिहास में जब भी विपक्ष के नेता की उत्कृष्ट भूमिकाओं का उदाहरण दिया जाएगा, सुषमा स्वराज का नाम जरूर लिया जाएगा।

गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी (AAP) का सरकार पर जमकर हमला बोला। केजरीवाल को जबाव देते हुए उन्होंने केंद्र सरकार के कामों को गिनाया। उन्होंने कहा आप सरकार (AAP Government) इसमें से एक तिहाई काम को भी झुठला दे, फिर हमारे कामों के आस-पास भी नहीं पहुंच सकेंगे।

अमित शाह ने कहा अभी यह लिस्ट पूरी नहीं है, चुनाव अभियान शुरू होने पर मैं पूरी लिस्ट के साथ मैदान में उतरूंगा। हम तो अपना हिसाब दे रहे हैं, अब जरा केजरीवाल जी अपने 45 करोड़ के शीशमहल का भी हिसाब दिल्ली की जनता को दें। ये वो लोग हैं, जो कहते थे कि हम नई तरह की राजनीति शुरू करेंगे। बंगला नहीं लेंगे, गाड़ी नहीं लेंगे।

देश में सातवां सबसे प्रदूषित शहर बना गाजियाबाद, इंदिरापुरम का AQI 'गंभीर श्रेणी' में

देश में सातवां सबसे प्रदूषित शहर गाजियाबाद हो गया है। वहीं इंदिरापुरम की हवा गंभीर श्रेणी तक पहुंच गई है। साहिबाबाद की हवा लगातार जहरीली होती जा रही है। शनिवार को जिला देश में सातवां सबसे प्रदूषित शहर रहा। प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए ग्रेप 3 के लागू होने के बाद भी लोगों को साफ हवा नहीं मिल सकी है।

साहिबाबाद। जिले की हवा लगातार जहरीली होती जा रही है। शनिवार को जिला देश में सातवां सबसे प्रदूषित शहर रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, एक्यूआइ 310 दर्ज किया गया। इंदिरापुरम का एक्यूआइ सुबह आठ बजे 419 तक पहुंच गया। दोपहर चार बजे एक्यूआइ में गिरावट के साथ 395 दर्ज किया गया।

जिले में 15 अक्टूबर को ग्रेप (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान) लागू होने के बाद से ही लोगों को साफ हवा नहीं मिल सकी है। जबकि प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए ही ग्रेप लागू किया गया था। इसके अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों पर रोक लगाई गई थी। इसकी जिम्मेदारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जीडीए, नगर निगम समेत तमात अधिकारियों को दी गई है। इसके बाद भी प्रदूषण में गिरावट नहीं आई थी। ग्रेप तो लागू हुआ, लेकिन अधिकारी नियमों का पालन नहीं करा पाए।

अवैध फैक्ट्रियों का संचालन प्रदूषण का सबसे बड़ा कारक है। यही कारण है कि अब हवा फिर से जहरीली हो गई है। लोगों का कहना है कि विभागों को नाकामी से साफ हवा नहीं मिल पा रही है। अगर योजना बनाकर जमीनी स्तर कार्य किया जाता तो

प्रदूषण पर रोक लग सकती है।

नाक के नीचे ही प्रदूषण नहीं रोक पा रहे अधिकारी

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय वसुंधरा सेक्टर 16 में है। इसके बाद भी अधिकारी वसुंधरा में भी प्रदूषण नहीं रोक पा रहे हैं। यहां का एक्यूआइ 363 बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। लोगों का कहना है कि अधिकारी जब अपनी नाक के नीचे ही प्रदूषण नहीं रोक पा रहे हैं तो अन्य क्षेत्रों में प्रदूषण की रोकथाम कैसे करेंगे।

देश में सबसे प्रदूषित शहरों की स्थिति

बर्नीहाट	379
दिल्ली	378
नोएडा	365
बद्दी	355
राजगीर	325
तालचेर	315
गाजियाबाद	310

एक्यूआइ की स्थिति

क्षेत्र	सीपीसीबी	आइक्यू एयर
गाजियाबाद	310	261
इंदिरापुरम	395	284
लोनी	268	200
संजय नगर	216	211
वसुंधरा	363	239

ग्रेप के नियमों का पालन कराने के लिए संबंधित विभागों के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है। जो भी नियमों का उल्लंघन करता पाया जाता है उस पर जुर्माने की कार्रवाई की जाती है। -विकास मिश्र, क्षेत्रीय अधिकारी, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

दारोगा जी चोरी हो गई... 365 दिन में 225 यात्रियों का सामान हुआ चोरी, गाजियाबाद में बन रहा रिकॉर्ड

रिपोर्ट के अनुसार जनवरी से लेकर 31 दिसंबर 2024 तक जीआरपी थाने में कुल 225 यात्रियों ने सामान चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। यह बात अलग है कि जीआरपी की सक्रियता के चलते यात्रियों के 40 मोबाइल बरामद करते हुए 164 आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है लेकिन फिर भी सामान चोरी की वारदातों का सिलसिला जारी है।

गाजियाबाद। दारोगा जी चोरी हो गई... जी हां ट्रेन में सफर करने वाले यात्री इन दिनों जीआरपी थाने पहुंचकर दरोगा को आप बीती कुछ इसी अंदाज में बता रहे हैं। कोई मंहगे मोबाइल तो कोई लैपटॉप चोरी की रिपोर्ट लिखाने थाने पहुंच रहा है।

164 आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया

रिपोर्ट के अनुसार जनवरी से लेकर 31 दिसंबर 2024 तक जीआरपी थाने में कुल 225 यात्रियों ने सामान चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। यह बात अलग है कि जीआरपी की सक्रियता के चलते यात्रियों के 40 मोबाइल बरामद करते हुए 164 आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है, लेकिन फिर भी सामान चोरी की वारदातों का सिलसिला जारी है।

शताब्दी एक्सप्रेस में भी चोर गिरोह सक्रिय

स्थानीय के साथ शताब्दी एक्सप्रेस में भी यह चोर गिरोह सक्रिय हैं। कई ऐसे प्रकरण भी सामने आए हैं कि पिता का अंतिम संस्कार करने जा रहे बेटे को बेहोश करके उसका पूरा सामान चोरी कर लिया गया। बेटे को दूसरे दिन होश आने पर पता चला।

ट्रेन में चोरी का विवरण

कुल 250 रिपोर्ट दर्ज हुईं

कुल 225 सामान और मोबाइल चोरी की रिपोर्ट दर्ज हुईं

एक रिपोर्ट वाहन चोरी की दर्ज हुई

दो लूट की, छह झपटमारी की, दो जहरखुरानी की, एक अपहरण की और 13 अन्य रिपोर्ट दर्ज हुई

इनमें से 75 रिपोर्ट अन्य जिलों को ट्रांसफर कर दी गईं

बरामद सामान में मोबाइल, आभूषण, लैपटॉप, बैग और नगदी शामिल हैं

चार माह की बच्ची किस्मत को बरामद करते हुए अपहणकर्ता को जेल भेजा गया

गिरोह खत्म करने को जीआरपी द्वारा 50 सीसीटीवी लगाने की योजना बनाई जा रही है

गश्त बढ़ाने के लिए चोरी के नए ठिकाने ट्रेस किये जा रहे हैं

ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों का सामान चोरी करने वाले गिरोह को पकड़ना मुश्किल होता है। लोकल और शताब्दी एक्सप्रेस में आरक्षण कराकर गिरोह के सदस्य सफर करते हैं। नींद की झपकी लगने, अंजान लोगों से बात करने की लापरवाही बरतने और सामान की सुरक्षा खुद न करने पर ही चोर को मौका मिलता है।

पीएम मोदी के स्वागत को सजने लगा साहिबाबाद, आज होगी फुल ड्रेस रिहर्सल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर दिल्ली जाने के कार्यक्रम की तैयारियां पूरी। नमो भारत स्टेशन और रूट को सजाया जा रहा है। फुल ड्रेस रिहर्सल शनिवार को होगी। मुख्यमंत्री के भी आने की संभावना। स्कूली बच्चे भी पीएम के साथ ट्रेन में सफर कर सकते हैं। लेख के माध्यम से पढ़िए पूरी खबर।

साहिबाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रविवार को नमो भारत स्टेशन (Namo Bharat Station) साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर (Sahibabad to New Ashok Nagar) दिल्ली जाने के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां लगभग पूरी हो गई है। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित रूट व नमो भारत स्टेशन को स्वागत के लिए सजाया-संवारा जा रहा है।

आवागमन मार्ग को रंग-रोगन कर चमकाने व साफ-सफाई का काम युद्धस्तर पर जारी है। शुक्रवार को भी पूरे दिन सभी काम होते रहे। रास्ते में लटके तारों को ठीक किया जा रहा है। पेड़ों की छंटाई के साथ डिवाइडर को चमकाया जा रहा है।

नमो भारत स्टेशन, रैंप, ग्रिल आदि को फूलों से सजाया

पूरे मार्ग पर पड़ने वाले डिवाइडर, चौराहों, तिराहों पर रंग-बिरंगे फूल वाले पौधों को लगाने की तैयारी है। नमो भारत स्टेशन, रैंप, ग्रिल आदि को फूलों से सजाया गया है। ऊपर पर्दे लगाए गए हैं। शनिवार को फुल ड्रेस रिहर्सल होगी। वहीं बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री भी आ सकते हैं। चर्चा है कि प्रधानमंत्री के साथ ट्रेन में स्कूली बच्चे सफर कर सकते हैं।

फुल ड्रेस रिहर्सल आज

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर शनिवार को एसपीजी के साथ स्थानीय पुलिस

फुल ड्रेस रिहर्सल करेगी। हिंडन एयरफोर्स स्टेशन से फ्लीट मोहन नगर से वसुंधरा फ्लाईओवर होते हुए नमो भारत स्टेशन साहिबाबाद पहुंचेगी।

प्रधानमंत्री के गाजियाबाद में प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर की गई तैयारियों के बारे में शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्य सचिव ने जिला प्रशासन से जानकारी की। इस दौरान उन्होंने आवश्यक दिशानिर्देश भी अधिकारियों को दिए।

'पीएम के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के किए जाएं पुख्ता इंतजाम'

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक का विशेष ध्यान रखा जाएं। रूट मैप इस तरह तैयार करें कि आम जनता को आवागमन में परेशानियों न हो।

इसके साथ ही सफाई व्यवस्था का भी विशेष ध्यान रखा जाए। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कहा कि जिले में सफाई व्यवस्था, सुंदरीकरण का कार्य निरंतर जारी है।

किसान के घर लूट, परिवार को डेढ़ घंटे तक बनाया बंधक; नकदी के साथ लाखों के सामान पर छह बदमाशों ने किया हाथ साफ

परिवहन विशेष न्यूज़

फरीदाबाद के सेक्टर-58 थाना क्षेत्र के करनेरा गांव में एक किसान के घर पर छह बदमाशों ने डकैती डाली। बदमाशों ने डेढ़ घंटे तक परिवार के छह सदस्यों को बंधक बनाकर घर में लूटपाट की। दो महिलाओं के साथ मारपीट भी की। बदमाश करीब ढाई किलो चांदी 15 तोला सोना और ढाई लाख रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फरीदाबाद। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र स्थित करनेरा गांव में रहने वाले किसान के घर पर छह बदमाशों ने डकैती डाली। बदमाशों ने करीब डेढ़ घंटे तक परिवार के छह सदस्यों को बंधक बनाकर घर में लूटपाट की।

दो महिलाओं के साथ मारपीट भी की। इसके बाद जाते समय पीड़ित का फोन भी ले गए। घटना की जानकारी पाकर मौके पर डाग स्क्वायड और क्राइम ब्रांच की टीम भी पहुंची। सेक्टर-58 थाने में मामला दर्ज करके आरोपितों की तलाश में पांच क्राइम ब्रांच की टीम लगी है।

क्राइम ब्रांच पीड़ित किसान के घर में काम करने वाली घरेलू सहायिका को अपने साथ ले गई है। करनेरा गांव में रहने वाले नवीन त्यागी खेती करते हैं। शुक्रवार रात को करीब 10 बजे

परिवार के सभी सदस्य खाना पीना खाकर अपने ने चले गए। नवीन की बड़ी बेटी पूर्वांशी अपने कमरे में पढ़ने के लिए चली गई।

पूर्वांशी का कमरा बाहर की तरफ बना हुआ है। रात करीब 12 बजे छह बदमाश घर के मुख्य प्रवेश द्वार के साथ लगी दीवार को कूदकर अंदर प्रवेश कर गए। दीवार की ऊंचाई चांर से पांच फुट है। दो बदमाशों ने नकाब पहना हुआ था। बदमाश घर के भीतर घुसते ही सबसे पहले पूर्वांशी के कमरे में गए।

पूर्वांशी बदमाशों को देखकर डर गई। उसने हल्ला मचाने का प्रयास किया, लेकिन एक बदमाश ने लड़की के होठ पर रिवाल्वर का बट मारकर उसको घायल कर दिया। इसके साथ ही दूसरे कमरे में जाकर परिवार के सभी छह सदस्यों को रिवाल्वर दिखाते हुए बंधक बना लिया।

बंधक बनाने के बाद नवीन त्यागी की पत्नी पूजा के सिर पर रिवाल्वर की बट मारकर आभूषण और नगदी के बारे में जानकारी ली। पीड़ित स्वजन के अनुसार तीन बदमाश बाहर की तरफ नजर रखे हुए थे। और तीन बदमाशों ने पूरा घर खंगाला।

बदमाशों ने ढाई किलो चांदी, 15 तोला सोना सहित ढाई लाख रुपये नगदी अपने बैग में डाला। इसके बाद भी बदमाश बार बार पीटकर और कीमती चीजों के बारे में पूछ रहे थे। डेढ़ घंटे तक मारपीट करने के बाद लूटपाट करके सभी बदमाश फरार हो गए। बदमाश जाते हुए नवीन का मोबाइल भी ले गए।

तीन दिन से कर रहे थे रेकी

नवीन त्यागी की पत्नी पूजा के अनुसार बदमाश तीन दिन से घर की रेकी कर रहे थे। उनकी बातों से ऐसा लग रहा था कि उनको घर के बारे में सबकुछ पता है। ऐसे में पूरी घटना के पीछे घर का भेदी भी हो सकता है। क्योंकि जब बदमाश लूटपाट कर रहे थे तो उनमें से एक बदमाश ने पूजा से कहा कि तुम्हारे इकलौते बेटे को जान से मार डालेंगे। नवीन की दो लड़की और एक लड़का है।

इसके साथ एक बदमाश ने मारपीट करते हुए कहा कि तुम्हारे घर पर तीन दिन से नजर रखी हुई है। बयानों के आधार पुलिस भी इसी एंगल से जांच कर रही है। पुलिस घर में काम करने वाली घरेलू सहायिका भावना को भी अपने साथ ले गई। इसके साथ नवीन के पड़ोसी के यहां लगे सीसीटीवी फुटेज भी देख रही है।

दो दिन से काम मांगने की तलाश में घूम रहे थे कुछ युवक

नवीन के आसपास रहने वाले लोगों के अनुसार दो दिन से काम मांगने को लेकर कुछ युवक गली में चक्कर लगा रहे थे। रविवार दोपहर में भी गली में कुछ युवक आए थे। यह युवक नवीन के घर में भी काम को लेकर पूछताछ करने के लिए गए थे।

शहर में 10 दिन के भीतर यह दूसरी बड़ी घटना

पिछले 10 दिन के भीतर लूट की शहर में यह दूसरी बड़ी घटना है। इससे पहले 28 दिसंबर को सेक्टर-21सी में दो युवकों ने रक्षा मंत्रालय से सेवानिवृत बुजुर्ग के घर में घुसकर लूटपाट की थी। इस दौरान बदमाशों ने बुजुर्ग दंपती को भी पीटा था। पुलिस ने घटना के दो दिन बाद ही तीन आरोपितों को मामले में गिरफ्तार किया था।

मामले को लेकर क्राइम ब्रांच की पांच टीमों का गठन किया गया है। क्राइम ब्रांच मामले को ट्रेस करने में जुटी हुई है। जल्द ही छह बदमाश पुलिस के कब्जे में होंगे।

अमन यादव, एसीपी, क्राइम

वर्तमान डिजिटल युग में भी पुराने बीते हुए सुहाने दिनों की लालसा क्यों है?

कोई लौटा दे मेरे बीते हुए मान सम्मान के दिन

वर्तमान प्रौद्योगिकी युग में भी मनीषियों द्वारा अपने पुराने दिनों को अच्छे दिन बताने को रेखांकित कर सकारात्मक उपायों पर मंथन करना जरूरी - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

वर्ष 1964 में दूर गगन की छांव में फिल्म का गीत कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन सुनकर आज कई बड़े बुजुर्ग, विपत्ति पीड़ितों, दुखियारों की आंखों में आंसू आ जाते हैं और अपने बीते हुए दिनों की यादों में खो जाते हैं जो रेखांकित करने वाली बात है, जिसपर हमारे आज के युवा राष्ट्र के युवाओं को इस पर मंथन करने की ज़रूरत है कि आखिर क्यों? वर्तमान प्रौद्योगिकी युग में भी मनीषियों द्वारा अपने पुराने दिनों को अच्छे दिन बताया जाता है। हालांकि यह गीत 1964 का है याने आज से 58 वर्ष पूर्व भी उस समय के बुजुर्गों के भाव ऐसे थे याने जैसे जैसे समय का चक्र अपनी तेज रफ्तार से चल रहा है, हर स्थिति को बदलता जा रहा है, विज्ञान प्रौद्योगिकी डिजिटलाइजेशन में तीव्रता से विकास स्वभाविक और समय की मांग है, परंतु आज माता- पिता बेटा-बेटी भाई- बहन संयुक्त परिवार से एकल परिवार और एकल परिवार में भी बहुत खटास के बढ़ते जाने को रेखांकित कर आज हर व्यक्ति को अपने आपसे प्रश्न पूछने को की जरूरत है कि क्यों उसे बीते हुए सुहाने दिनों की लालसा है? क्यों नहीं अपने स्वभाव में, जीवन शैली में परिवर्तन लाकर खुद और परिवार के बीते हुए दिनों की मिठास ला सकते हैं। आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से रिश्तों में मिठास लाकर अपने बीते हुए दिनों को लौटाने पर, खुशहाल करने पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम पुराने दिनों की यादों की करें तो इसकी शुरुआत हम बचपन के दिनों से करते हैं, मेरा मानना है कि सबको अपने बचपन के दिनों में अधिक सुकून मिला होगा, हर किसी को अपना बचपन याद आता है। हम सबने अपने बचपन को जीया है। शायद ही कोई होगा, जिसे अपना बचपन याद न आता हो। बचपन की अपनी मधुर यादों में माता-पिता, भाई- बहन, यार-दोस्त, स्कूल के दिन, आम के पेड़ पर चढ़कर 'चोरी से' आम खाना, खेत से गन्ना उखाड़कर चूसना और खेत मालिक के आने पर नौ दो ग्यारह हो जाना हर किसी को याद है। चोरी और चिरौरी तथा पकड़े जाने पर साफ झूठ बोलना बचपन की यादों में शुमार है। बचपन से पचपन तक यादों का अनोखा संसार है।

साथियों, छुटपन में धूल-गारे में खेलना, मिट्टी मुंह पर लगाना, मिट्टी खाना किसे नहीं याद है? और किसे यह याद नहीं है कि इसके बाद मां की प्यारभरी डांट- फटकार व रुंआसे होने पर मां का प्यारभरा स्पर्श! इन शैतानी भरी बातों से लबरेज है सारा बचपन।इसलिए पुराने दिनों की याद कर आज भी हम कहते हैं, हम भी अगर बच्चे होते, हम भी अगर बच्चे होते, नाम हमारा होता गबलू- बबलू, खाने को मिलते लड्डू, और दुनिया कहती हैप्पी बर्थडे टू यू',।

साथियों बात अगर हम अपने युवापन के यादों की करें तो हमारे रिश्तो में कुछ और रिश्तो की कड़ियां जुड़ी, हमें माँ बाप भाई बहन पति पत्नी सास ससुर न जाने कितने रिश्तों में जोडा है ये रिश्ते आसानी से जुड़ गए, जिससे बचपन की अपेक्षा स्थिति कुछ कठिन हुई रिश्तो में अपेक्षाकृत प्यार कम होता चला गया, लेकिन अब हम इन्हें कैसे बनाते है, अच्छा या बुरा, मजबूत या कमजोर ये हम पर निर्भर करता है और हर रिश्ता भावनाओ और आपसी समझ से एक दूसरे को जोड़ता है। और इन्हें प्यार के रिश्ते कहते है, और जो रिश्ता प्यार का और भावनाओ का बनता है उन्हें तोडना भी बहुत मुश्किल है। और जिन रिश्तों में प्यार और भावनाये

नही है वो शायद समाज के आगे दिखावे के लिए जुड़े भी रहे लेकिन दिल में ज्यादा दिन तक रहते है। अब जैसे पति और पत्नी दोनों एक दूसरे के लिए अनजान है और न ही इनका खून का रिश्ता होता है। फिर भी ये एक दूसरे के लिए बहुत खास होते है क्यों की इनका प्यार और आपसी समझ और भावनाये इन्हें हमेसा जोड़े रखती है। और कहीं कहीं खून के रिश्ते भी कमजोर पड़ जाते है, जैसे भाई भाई की नहीं बनती भाई बहन की नही बनती पति पत्नी की नहीं बनती।

साथियों बात अगर हम समय के साथ बदलते चक्र में रिश्तो को निभाने की करें तो, सहनशीलता, विश्वास आपसी प्रेमरिश्तों को निभाने के लिए सहनशीलता और धैर्य बहुत आवश्यक है, हर रिश्ता बलिदान मांगता है, चाहे वो पति पत्नी का हो, या बहन भाई का या सास बहू का, अगर हम सबंधो को मधुर रखना है पुराने बीते हुए दिन वापस लाना है तो बहुत सी बातों को नजरअंदाज करना पड़ेगा, धैर्य रखना पड़ेगा और समय पड़ने पर बलिदान भी देना होगा चाहे वो गर्मी की रात में बिना कूलर के सोना हो, या जून की दोपहर में भाई के बच्चे को स्कूल से लाना हो एक दूसरे पर विश्वास, और सम्मान दूसरे सबसे महत्वपूर्ण कारण हैं जो आपसी संबंधों में मधुरता बरक़रार रखेंगे।परिवार एकता के सूत्र में बंधा रहे उसके लिए बचपन से ही घर के तमाम सदस्यों में एक दूसरे का सम्मान और परस्पर प्रेम की भावना विकसित करना भी बेहद आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में पुराने रिश्तों के सुकून भरे दिनों और वर्तमान रिश्तो की करें तो हम जरूर पुराने दिनों की बहुत याद आएगी क्योंकि आज प्यार भावना मान-सम्मान सहनशीलता संवेदनशीलता अपेक्षाकृत कम है इसलिए रिश्तो में खटास, रिश्तों में खटास आई, यह तब ही आती है जब हम ज्यादा स्वार्थी और अभिमानी बनने लगते है तो सबसे पहले अपने आप में सुधार करें ।दुसरे की भावनाओ की कद्र करना सीखें ।थोड़ा लेट-गो करें क्योंकि गलतीयां हर किसीसे होती ही है। अपनी लेंग्वेज को सुधारे क्योंकि हम जैसे बोलते है वैसा ही प्रभाव सामनेवाले व्यक्ति पर पडता है इसलिए अपने बोलने के ढंग को मोहक और मीठा बनाए ।सामने वाले की बुराईयों की जगह उनकी अच्छाइयों पर ज्यादा ध्यान दें ।कभी कभार कोई अच्छा सा तोहफा देकर रिश्ते में मिठास बढ़ाए ।अपने आप के कर्तव्यों को समजते हुए सामने वाले की केर करें हंमेशा कुछ भी अच्छा करने की शुरुआत खुद से ही करें ।और सबसे महत्वपूर्ण बात की अपनी गलती को स्वीकार करना सीखें और माफ़ी मांग लें अपने विचारों को संकुचित मत रखें, दिल से उदार बनें ।किसी भी बात का बिना सोचे समझे उतर न दें मतलब की अपने गुस्से को काबू करना सीखें क्योंकि समय आने पर सब कुछ सही हो जाता है ।अगर किसीने गुस्से से कभी कुछ सुना दिया हो तो उसको दील पे मत ले और माफ करना सीखें । अगर बात ज्यादा बढ गई हो तो थोडे दिन के लिए सिर्फ उससे बात करना बंद कर दीजिये थोडे ही दिन में सबकुछ ठीक हो जाएगा ।भावनाए रिश्तों की जान होती है इसलिए अपनी अच्छी भावनाओ को हंमेशा व्यक्त करते रहे।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वर्तमान डिजिटल युग में भी पुराने बीते हुए सुहाने दिनों की लालसा क्यों है ?कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन वर्तमान प्रौद्योगिकी युग में भी मनीषियों द्वारा अपने पुराने दिनों को अच्छे दिन बताने को रेखांकित कर सकारात्मक उपायों पर मंथन करना जरूरी है।

साल 2025 में बंद हुई बजाज की 3 मोटरसाइकिल, लिस्ट में पल्सर F250 और प्लेटिना 110 ABS शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

नए साल की शुरुआत के साथ ही ऑटोमेकर बजाज ने अपनी मोटरसाइकिलों को भारतीय बाजार के लिए बिक्री को बंद कर दिया है। यह बाइक पल्सर F250 CT 125X और प्लेटिना 110 ABS है। इन मोटरसाइकिलों को बंद करने के पीछे की वजह इनकी बिक्री नहीं होना बताया जा रहा है। आइए जानते हैं कि बजाज ऑटो की यह तीनों बाइक किन फीचर्स के साथ आती थी।

नई दिल्ली। बजाज ऑटो ने जनवरी 2025 में अपनी मोटरसाइकिल को भारत में बंद करने का फैसला किया है। यह बाइक 110cc, 125cc और 250cc की है, जो पल्सर F250, CT 125X और प्लेटिना 110 ABS है। इन बाइक को भारत में बंद करने को लेकर बजाज के लिए एक बड़ी रणनीतिक शिफ्ट को दिखाता है। इसके साथ ही यह भी देखा जा सकता है कि इन बाइक की बिक्री और उत्पाद पोर्टफोलियो में बदलाव के संकेत हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि इन बाइक को क्यों बंद किया गया है।

बजाज ऑटो की डिस्कंटीन्यू बाइक

Bajaj Pulsar F250

इसमें 249.07cc, एकल-सिलेंडर, ऑयल-कूल्ड इंजन का इस्तेमाल किया गया है, जो 24.5 hp और 21.5 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इस बाइक के इंजन को 6-स्पीड ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है। इसमें ट्रिपल-यूनिट डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, एलईडी हेडलाइट, और रियर टेललाइट दिए गए थे। इसमें सस्पेंशन के रूप में टेलीस्कोपिक फ्रंट और मोनोशॉक रियर दिया गया था। इसमें ABS और रियर डिस्क ब्रेक दिए गए थे।

Bajaj CT 125X

यह एक कम्यूटर बाइक है, जो दमदार परफॉर्मेंस और किफायती कीमत के साथ आती थी। इसमें 124.4cc, सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड इंजन का इस्तेमाल किया गया है। इसमें लगा हुआ इंजन 10.9 हॉर्स पावर और 11 न्यूटन मीटर टॉर्क जनरेट करता है। बाइक के इंजन को 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ से जोड़ा गया है। इसमें काले एलॉय व्हील्स, रियर टेल रैक और आरामदायक सीटें दी गई थी। इसमें ड्यूल टोन पेंट स्कीम और स्टाइलिश ग्राफिक्स दिए गए थे।

Bajaj Platina 110 ABS

यह कम्यूटर बाइक थी जो ABS (एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम) के साथ आती थी। इसमें 115.45cc, सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड इंजन का इस्तेमाल किया गया था, जो 8.6 हॉर्सपावर और 9.81 न्यूटन मीटर टॉर्क जनरेट करता था। बाइक के इंजन को 5-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। इसमें टेलीस्कोपिक फ्रंट और ड्यूल-स्प्रिंग रियर शॉक एब्जॉर्बर दिए गए थे।

क्यों बंद हुई ये तीनों बाइक

बजाजा की इन तीनों बाइक के बंद होने के पीछे का कारण उनकी बिक्री की कमी को माना जा रहा है। पल्सर F250, CT 125X, और प्लेटिना 110 ABS को लोगों ने हाथो-हाथ नहीं अपनाया जितना उन्होंने इसकी दूसरी बाइकों को अपनाया। इसके अलावा, ABS वेरिएंट की कीमत भी इस सेगमेंट से बाकी मोटरसाइकिलों के मुकाबले ज्यादा थी, जिसकी वजह से बिक्री पर असर पड़ रहा था। जिसकी वजह से कंपनी ने इन्हें बंद किया और अब वह अपने बाकी मॉडल्स पर ध्यान दे रही है।

नए रंगरूप में लॉन्च हुई Ather 450 सीरीज, मिले नए कलर ऑप्शन और फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

एथर एनर्जी ने Ather 450 सीरीज को नए साल 2025 के अवसर पर अपडेट किया है। इसे अपडेट करने के साथ ही कंपनी ने नए फीचर्स और नए कलर ऑप्शन भी दिए हैं। ऑटोमेकर ने Ather 450 सीरीज के अपडेटेड वर्जन को लॉन्च करने के साथ बी पूरे भारत में टेस्ट राइड और बुकिंग को भी शुरू कर दिया है।

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता कंपनी एथर एनर्जी ने Ather 450 सीरीज को अपडेट किया है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को नए कलर और नए फीचर्स के साथ अपडेट किया गया है। इसे लॉन्च करने के साथ ही इसकी पूरे भारत में टेस्ट राइड और बुकिंग भी शुरू कर दी गई है। आइए जानते हैं कि Ather 450 सीरीज के अपडेटेड मॉडल में क्या नए फीचर्स मिले है और इनकी कीमत कितनी है।

Ather 450 सीरीज की कीमत

Ather 450S की कीमत 1,29,999 रुपये।

Ather 450S Pro Pack की कीमत 1,43,999 रुपये।

Ather 450X 2.9kWh की कीमत 1,46,999 रुपये।

Ather 450X 2.9kWh Pro Pack की कीमत 1,63,999 रुपये।

Ather 450X 3.7kWh की कीमत 1,56,999 रुपये।

Ather 450X 3.7kWh Pro Pack की कीमत 1,76,999 रुपये।

Ather 450 Apex की कीमत 1,99,999 रुपये।

ये सभी कीमतें एक्स-शोरूम, बेंगलुरु की है।

Ather 450S

यह एथर 450 सीरीज का सबसे बेस वेरिएंट है। इसमें 2.9kWh की बैटरी दी गई है, जो फुल चार्ज होने के बाद 122km तक की रेंज मिलेगी। इसमें बेसिक राइड मोड और कलर LCD स्क्रीन और मोबाइल ऐप कनेक्टिविटी जैसे फीचर्स दिए गए हैं। वहीं, इसके प्रो पैक वेरिएंट में नेविगेशन और एक्स्ट्रा राइडिंग मोड दिए गए हैं। इसे कुल 4 कलर ऑप्शन में लाया गया है, जो स्टिल व्हाइट, कॉस्मिक ब्लैक, स्पेस ग्रे और स्टील्थ ब्लू है।

Ather 450X 2.9kWh

एथर के इस वेरिएंट में 2.9kWh की बैटरी दी गई है, जो फुल चार्ज होने के बाद 126km तक का रेंज देगी। इसमें तेज एक्सेलेरेशन और ज्यादा फीचर्स को शामिल किया गया है। इसके प्रो पैक वेरिएंट में म्यूजिक और कॉल के लिए ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, नेविगेशन के लिए Google मैप्स इंटीग्रेशन, ऑटोहोल्ड और फाइंड माई स्कूटर जैसे फीचर्स दिए गए हैं। 450X में 450S के मौजूदा 4 कलर ऑप्शन के अलावा 3 और कलर में लाया गया है, जो लूनर ग्रे, ट्रू रेड और हाइपर सैंड है।

Ather 450X 3.7kWh

एथर के 450X को 3.7kWh की बैटरी पैक के साथ भी लाया गया है। बैटरी पैक की कैपेसिटी बढ़ाने के साथ ही इसकी रेंज को भी बढ़ाया गया है। यह फुल चार्ज होने के बाद 161 किलोमीटर तक का रेंज देगी। इसके प्रो पैक में बेहतर सस्पेंशन ट्यूनिंग और एडवांस्ड राइडिंग मोड समेत प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं।

Ather 450 Apex

एथर का 450 एपेक्स वेरिएंट इसका फ्लैगशिप मॉडल है। इसमें सबसे हाई-स्पेक 3.7kWh बैटरी लगाई गई है, जो 157 किलोमीटर की तक की रेंज देता है। इसके प्रो पैक मॉडल को अपडेट किया गया है। इसमें बेहतरीन परफॉर्मेंस और टॉप-टियर फीचर्स के साथ अपडेट किया गया है। इसे अभी भी केवल कोबाल्ट ब्लू और पेस्टल ऑरेंज कलर स्कीम में उपलब्ध है।

नए साल पर कावासाकी बाइक्स पर बंपर डिस्काउंट, निंजा 650 पर 45,000 रुपये की छूट

परिवहन विशेष न्यूज

जापानी सुपरबाइक निर्माता कंपनी Kawasaki भारतीय ग्राहकों के लिए बंपर डिस्काउंट ऑफर लेकर आई है। जनवरी 2025 में कावासाकी 15000 रुपये से लेकर 45000 रुपये तक का डिस्काउंट दे रही है। कावासाकी अपनी Z900 Ninja 650 Versys 650 Ninja 300 और Ninja 500 बाइक पर छूट दे रही है। आइए जानते हैं कि Kawasaki अपनी इन बाइक्स पर कितना डिस्ताउंट दे रही है।

नई दिल्ली। Kawasaki ने नए साल 2025 के अवसर ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए डिस्काउंट ऑफर लेकर आई है। इस डिस्काउंट ऑफर के तहत Z900, Ninja 650, Versys 650, Ninja 300 और Ninja 500 पर बंपर डिस्काउंट दे रही है। ये ऑफर 1 जनवरी 2025 से लेकर 31 जनवरी 2025 तक या स्टॉक रहने तक रहने वाला है।

1. Kawasaki Ninja 300

कावासाकी के जरिए पेश की जाने वाली निंजा 300 सबसे सस्ती स्पोर्ट्स बाइक है। यह एक एंट्री-लेवल स्पोर्ट्स बाइक है, जिसपर कावासाकी काफी बेहतरीन ऑफर दे रही है।

कीमत और ऑफरः एक्स-शोरूम कीमत 3.43 रुपये पर इस बाइक पर 30,000 रुपये की छूट मिल रही है।

इंजनः इसमें 296 सीसी, लिक्विड-कूल्ड, पैरेलल-ट्विन इंजन का इस्तेमाल किया है।

पावर और टॉर्कः यह इंजन 11,000 RPM पर 38.8 bhp और 10,000 RPM पर 26.1 Nm टॉर्क जनरेट करता है।

ट्रांसमिशनः छह-स्पीड गियरबॉक्स के साथ आता है, जो ड्राइविंग अनुभव को और भी बेहतर बनाता है।

2. Kawasaki Ninja 500

कावासाकी निंजा 500 स्पोर्ट्स बाइक को भारत में पूरी तरह से निर्मित यूनिट के रूप में पेश किया जाता है। इसका डिजाइन और परफॉर्मेंश दोनों ही काफी बेहतरीन है।

कीमत और ऑफरः एक्स-शोरूम कीमत 5.24 लाख रुपये पर 15,000 रुपये की छूट मिल रही है।

इंजनः इसमें 451 सीसी, लिक्विड-कूल्ड, पैरेलल-ट्विन इंजन का इस्तेमाल किया गया है।

पावर और टॉर्कः यह इंजन 9,000 RPM पर 45 bhp और 6,000 RPM पर 42.6 Nm टॉर्क जनरेट करता है।

ट्रांसमिशनः इसके इंजन को स्लिप-एंड-असिस्ट क्लच के साथ छह-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है।

3. Kawasaki Ninja 650

कावासाकी निंजा 650 का डिजाइन और परफॉर्मेंस दोनों ही काफी बेहतरीन है। यह बाइक उन लोगों को काफी पसंद आती है, जो ज्यादा पावर और लंबी दूरी की राइडिंग करना पसंद करते हैं।

कीमत और ऑफरः एक्स-शोरूम कीमत 7.16 लाख रुपये पर 45,000 रुपये का डिस्काउंट मिल रहा है।

इंजनः इसमें 649 सीसी, लिक्विड-कूल्ड, पैरेलल-ट्विन इंजन का इस्तेमाल किया गया है।

पावर और टॉर्कः यह इंजन 8,000 RPM पर 67.3 bhp और 6,700 RPM पर 64 Nm टॉर्क जनरेट करता है।

ट्रांसमिशनः इसके इंजन को मल्टी-डिस्क क्लच के साथ छह-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है।

4. Kawasaki Versys 650

कावासाकी वर्सेस 650 एक एडवेंचर टूरर बाइक है। इस बाइक को शानदार डिजाइन, मजबूत स्ट्रक्चर और आरामदायक राइडिंग के लिए जाना जाता है।

कीमत और ऑफरः एक्स-शोरूम कीमत 7.77 लाख रुपये पर 30,000 रुपये का डिस्काउंट दिया जा रहा है।

इंजनः इसमें 649 सीसी, लिक्विड-कूल्ड पैरेलल-ट्विन इंजन लगा है।

पावर और टॉर्कः यह इंजन 8,500 RPM पर 65.7 bhp और 7,000 RPM पर 61 Nm टॉर्क जनरेट करता है।

ट्रांसमिशनः इसके इंजन को मल्टी-डिस्क क्लच के साथ छह-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है।

5. Kawasaki Z900

कावासाकी Z900 एक बेहतरीन और पावरफुल बाइक है, जो हाई स्पीड और पावर के साथ आती है। इसे स्पोर्ट्स बाइक के लिए एक आइडल के लिए रूप में जाना जाता है।

कीमत और ऑफरः एक्स-शोरूम कीमत 9.29 लाख रुपये पर 40,000 रुपये की छूट दी जा रही है।

इंजनः इसमें 948 सीसी, लिक्विड-कूल्ड, इनलाइन-फोर इंजन का इस्तेमाल किया गया है।

पावर, रेंज और तकनीकी फीचर्स कौन होगी बेहतर

परिवहन विशेष न्यूज

Hyundai Creta Electric और Maruti e Vitara दोनों ही भारत में 17 जनवरी 2025 को लॉन्च होने वाली है। क्रेटा इलेक्ट्रिक के फीचर्स तो सामने आ गए है लेकिन ई-विटारा के फीचर्स का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। आइए जानते हैं कि यह दोनों में से (Hyundai Creta Electric vs Maruti e Vitara) पावर रेंज और तकनीकी फीचर्स के मामले में कौन बेहतर रहने वाली है।

नई दिल्ली। Hyundai Creta Electric और Maruti e Vitara दोनों ही भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 के पहले दिन यानी 17 जनवरी 2025 को लॉन्च होगी। क्रेटा इलेक्ट्रिक के तकरीबन सभी फीचर्स का कंपनी की तरफ से खुलास कर दिया गया है। बस इसकी कीमतों का खुलास करना बाकी है। वहीं, अभी तक e Vitara किन फीचर्स के साथ भारत में लॉन्च होगी इसके बारे में कंपनी की तरफ से कुछ नहीं बताया गया है। भारतीय बाजार में यह दोनों ही एक-दूसरे से मुकाबला करते हुए दिखाई देती है। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको इन दोनों के एक्सपेक्टेड फीचर्स के बारे में बता रहे हैं।

1. एक्सटीरियर्स (Exterior)

Hyundai Creta Electric

ऑटो-LED प्रोजेक्टर हेडलाइट्स और कनेक्टेड LED DRLs (ड्राइवर रीयलाइट्स): बेहतर रोशनी और आकर्षक लुक के लिए।

शार्क-फिन एंटीनाः आधुनिक और स्टाइलिश दिखने के लिए।

17-इंच एरो-स्टाइल्ड एलॉय व्हील्सः एरोडायनेमिक डिजाइन और शानदार साइड व्यू के लिए।

एक्टिव एयर फ्लैप्सः बेहतर एरोडायनामिक्स और कम हवा का प्रतिरोध करने के लिए।

Maruti e Vitara

ऑटो-LED प्रोजेक्टर हेडलाइट्स और Y-शेप्ड LED DRLs: स्पेशल और आकर्षक डिजाइन के लिए।

3-पीस एलिमेंट कनेक्टेड LED टेल लाइट्स (बिना सेंटर लिट): इसमें एक अलग प्रकार का डिजाइन देने के लिए।

LED फॉग लाइट्सः खराब मौसम में बेहतर दृश्यता बनाए रखने के लिए।

अप टू 19-इंच व्हील्स (ग्लोबल-स्पेक AWD): ज्यादा बड़े व्हील्स और AWD (ऑल व्हील ड्राइव) ऑप्शन मिल सकता है।

क्रेटा इलेक्ट्रिक का डिजाइन ज्यादा एरोडायनेमिक और स्टाइलिश दिखाई देता है, जबकि मारुति ई विटारा के बड़े व्हील्स और AWD ऑप्शन उसे ऑफ-रोडिंग के लिए ज्यादा सही बनाते हैं।

2. इंटीरियर्स (Interior)

Hyundai Creta Electric

ड्यूल-टोन व्हाइट और ब्लैक डैशबोर्डः शानदार और प्रीमियम लुक के लिए।

लेदर सीट अपहोल्स्ट्रीः आरामदायक और प्रीमियम सीटिंग के लिए।

एंबियंट लाइटिंगः इंटीरियर्स में एक अलग और आकर्षक माहौल बनाने के लिए।

Maruti e Vitara

ऑटो-LED प्रोजेक्टर हेडलाइट्स और Y-शेप्ड LED DRLs: कार की स्टाइल को और भी ज्यादा बढ़ाने के लिए।

दोनों ही कारों में शानदार और प्रीमियम इंटीरियर्स मिल सकते हैं, लेकिन क्रेटा इलेक्ट्रिक की ड्यूल-टोन डैशबोर्ड और एंबियंट लाइटिंग उसे थोड़ी और प्रीमियम बनाएगी।

3. कंफर्ट और कंवीनियंस (Comfort and Convenience)

Hyundai Creta Electric

10.25-इंच डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले और ड्यूल-जोन एसी विथ रियर वेंट्सः बेहतर ड्राइविंग, स्मार्ट और आरामदायक सफर के लिए।

वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्सः गर्मी में आरामदायक बैठने के लिए।

पैनोरमिक सनरूफः कार के अंदर अधिक खुलापन और ताजगी के एहसास के लिए।

वायरलेस फोन चार्जरः आसानी से फोन चार्ज करने के लिए।

इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल और फोल्डेबल ORVMs: बेहतर रिवर्स पार्किंग और रियर व्यू के लिए।

Maruti e Vitara

10.25-इंच डिजिटल ड्राइवर डिस्प्लेः स्मार्ट और क्लियर डिस्प्ले के लिए।

ऑटो एसी विथ रियर वेंट्सः गर्मियों में भी आरामदायक और ठंडा माहौल बनाए रखने के लिए।

वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्सः फ्रंट सीट्स के लिए भी बेहतर वेंटिलेशन के लिए।

पैनोरमिक सनरूफः खुला और ताजगी से भरपूर अनुभव के लिए।

वायरलेस फोन चार्जरः बिना तार के फोन चार्ज करने के लिए।

इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल और फोल्डेबल ORVMs: बेहतर रिवर्स पार्किंग और व्यू के लिए।

दोनों गाड़ियों में समान कंफर्ट और कंवीनियंस फीचर्स मिलने की उम्मीद हैं, लेकिन क्रेटा इलेक्ट्रिक में कुछ एक्स्ट्रा फीचर्स जैसे ड्यूल-जोन एसी और अधिक स्मार्ट डिस्प्ले मिलने वाला है, जिससे ड्राइविंह बेहतर हो सकती है।

4. इंफोटेनमेंट (Infotainment)

Hyundai Creta Electric

10.25-इंच टचस्क्रीन और 8-स्पीकर बोस साउंड सिस्टमः बेहतर ऑडियो और टॉप-नॉच इन्फोटेनमेंट के लिए।

कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजीः स्मार्टफोन से कार को कंट्रोल करने के लिए।

Maruti e Vitara

10.25-इंच टचस्क्रीनः स्मार्ट और रेस्पॉन्सिव डिस्प्ले के लिए।

प्रीमियम साउंड सिस्टमः बेहतर ऑडियो अनुभव के लिए।

कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजीः स्मार्टफोन से कनेक्टिविटी और कार को कंट्रोल करने के लिए।

दोनों ही कारों में शानदार इन्फोटेनमेंट सिस्टम और कनेक्टेड टेक्नोलॉजी मिलने की उम्मीद है, लेकिन क्रेटा इलेक्ट्रिक का बोस साउंड सिस्टम की वजह से इसे ज्यादा प्रीमियम साउंट मिल सकता है।

5. सुरक्षा (Safety)

Hyundai Creta Electric

6 एयरबैग्स (स्टैंडर्ड), EBD के साथ ABS, ESC: पैसेंजर की ज्यादा सेफ्टी के लिए।

ऑल-व्हील डिस्क ब्रेक्सः बेहतर ब्रेकिंग और कंट्रोल के लिए।

360-डिग्री कैमरा और लेवल 2 ADAS: पार्किंग और ड्राइविंग के दौरान अधिक सुरक्षा के लिए।

Maruti e Vitara

6 एयरबैग्स (स्टैंडर्ड), EBD के साथ ABS, ESC: पैसेंजर की ज्यादा सेफ्टी के लिए।

ऑल-व्हील डिस्क ब्रेक्सः बेहतर ब्रेकिंग सिस्टम कंट्रोल के लिए।

360-डिग्री कैमरा और लेवल 2 ADAS: पार्किंग और ड्राइविंग के दौरान ज्यादा सेफ्टी के लिए।

सर्दियों में रेगुलर या पावर पेट्रोल में से कौन बेहतर, किससे मिलेगी ज्यादा माइलेज

परिवहन विशेष न्यूज

Normal vs Power Petrol कार में पेट्रोल भरवाने के लिए जब आप पेट्रोल पंप जाते हैं और वहां पर अलग-अलग फ्यूल ऑप्शन देखकर कंफ्यूज होते हैं कि कौन-सा बेहतर होता है तो यह खबर आपके लिए ही है। हम यहां पर आपको रेगुलर और पावर पेट्रोल में अंतर के बारे में बता रहे हैं। साथ ही बता रहे हैं पावर पेट्रोल के 5 फायदे।

नई दिल्ली। जब आप अपनी कार या बाइक में पेट्रोल भरवाने जाते हैं तो पेट्रोल पंप पर आपको अलग-अलग फ्यूल ऑप्शन देखने के लिए मिलते हैं। इन फ्यूल की कीमत भी अलग-अलग होते हैं। जब कीमत में फर्क है तो क्वालिटी में भी डिफरेंस आता है तो माइलेज पर भी असर पड़ता होगा, आप यह जरूर सोचते होंगे। इसे देखते हुए हम यहां पर आपको रेगुलर और पावर पेट्रोल के बीच क्या डिफरेंस है और सर्दियों में आपकी कार के लिए कौन-सा फ्यूल सही रहेगा इसके बारे में बता रहे हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में.

पावर पेट्रोल के अलग-अलग नाम

जब आप पेट्रोल पंप पर जाएंगे तो आपको इसके अलग-अलग नाम देखने के लिए मिलेंगे। जिसकी वजह से आपको कंफ्यूजन हो सकती है कि कौन-सा सही है। इस पेट्रोल को पावर पेट्रोल के अलावा एक्स्ट्रा माइल, हाई स्पीड और स्पीड नाम से भी जाना जाता है।

नॉर्मल और पावर पेट्रोल में डिफरेंस

अगर आप दोनों फ्यूल टाइप में कंफ्यूज होते हैं कि कौन-सा बेहतर होता है, तो यह खबर आपके लिए ही है। जैसा की हमने आपको ऊपर बताया कि पावर पेट्रोल एक प्रीमियम फ्यूल होता है। इन दोनों में रेगुलर और पावर पेट्रोल बड़ा अंतर यह होता है कि पावर पेट्रोल में ऑक्टाइन लेवल ज्यादा देखने के लिए आपको मिलेगा। रेगुलर पेट्रोल में ऑक्टाइन का लेवल 87 होता है तो वहीं, पावर पेट्रोल में 91 से 94 तक ऑक्टाइन लेवल देखने के लिए मिलता है।

क्या होता है ऑक्टाइन?

अब आप यह सोच रहे होंगे कि यह ऑक्टाइन क्या होता है? इसे आप इस तरह से समझ सकते हैं कि जिस पेट्रोल में ज्यादा ऑक्टाइन होता है वो इंजन में इंजन-नौकिंग और डेटोनेटिंग को कम करने में मददगार होता है। इसकी वजह से इंजन से आने वाली आवाज कम होती है। इसकी वजह से आपका इंजन अपनी पूरी कैपेसिटी से काम करता है।

Power Petrol के 5 फायदे

पावर पेट्रोल हाई क्वालिटी वाले फ्यूल के रूप में काम करता है, डो इंजन के परफॉर्मेंस को बेहतर बनाता है। इसकी गाड़ी की पावर और रिएक्शन टाइम बेहतर होती है।

पावर पेट्रोल का इस्तेमाल करने से इंजन के अंदर कम गंदगी और कार्बन जमा होती है, जिससे इंजन का लाइफ बढ़ती है और उसकी परफॉर्मेंस बेहतर बना रहता है।

पावर पेट्रोल पेट्रोलियम को बेहतर मिश्रण से बनाया जाता है। यह इंजन से निकलने वाले हानिकारक गैसों और प्रदूषण को कम करने में मददगार होता है।

पावर पेट्रोल से फ्यूल एफिशिएंसी अच्छी मिलती है। इसका इस्तेमाल करने से गाड़ी को कम फ्यूल में अधिक दूरी तक करने में मदद मिलती है, जिससे आपके पैसे की बचत होती है।

पावर पेट्रोल का इस्तेमाल करने से गाड़ी का माइलेज भी बेहतर हो सकती है। इससे पेट्रोल की खपत कम होती है और वाहन से ज्यादा दूरी का सफर तय करने में मदद मिलती है।

जलवायु परिवर्तन से खेती पर खतरा

विजय गर्ग

भारत ही नहीं, दुनिया भर में जलवायु संकट का असर खेती-किसानी पर पड़ रहा है। पिछले एक दशक में अतिशीत, लू, अतिवृष्टि, बाढ़, तूफान और बादल फटने की घटनाओं से जान-माल का नुकसान हुआ है। करोड़ों हेक्टेयर में खड़ी फसल नष्ट हो गई। आग लगने की घटनाओं से अरबों रुपए का जो नुकसान हुआ, उसका कोई लेखा-जोखा नहीं है। सवाल है कि जलवायु संकट के दौर में ऐसी प्राकृतिक आपदाओं से जान-माल और खेती- -बागवानी के नुकसान का जिम्मेदार कौन है ? भारत में केंद्र और राज्य सरकारें ऐसे में किसानों के लिए राहत की पोटली तो खोलती हैं, लेकिन उसका फायदा कितने प्रभावित किसानों तक पहुंचता है, यह बताने की जरूरत नहीं है। किस वजह से नहीं। पहुंचता, हुंचता, यह भी सभी जानते हैं। सवाल है कि जिस किसान वक्त पर अन्न, सब्जी और फल पैदा करने की जिम्मेदारी है, उसकी हालत कब तक ऐसी बनी रहेगी ? क्या सरकारी राहत से किसानों के नुकसान की पूरी भरपाई हो पाती है ?

भारत सहित दुनिया भर के किसान प्राकृतिक आपदाओं और दूसरी तमाम समस्याओं को झेलते रहते हैं, लेकिन किसानी से मुंह नहीं मोड़ते। यह बात भी सच है कि अब करोड़ों लोग कृषि कार्य से खुद को अलग कर रहे र रहे हैं। इसका कारण खेती का घाटे में जाना और बढ़ती प्राकृतिक कृतिक आपदाओं की वजह से हर साल 10.2 लाख करोड़ रुपए का घाटा उठाते रहना है। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की रपट के मुताबिक प्राकृतिक आपदाओं के कारण दुनिया भर के किसानों पर हर साल गहरी चपत पड़ रही है। यह किसान को बर्बादी के कगार पर

खड़ा होने के लिए मजबूर कर रही 'कर रही है। रपट बताती है कि किसानों पर पड़ रही यह मार वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र के वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद करीब पांच फीसद है। गौरतलब है कि प्राकृतिक आपदाओं की घटनाएँ प वर्षो तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे आने वाले सालों में किसानों। और ज्यादा आर्थिक : क्षति का सामना करना पड़ सकता है। इसकी भरपाई कौन करेगा ?

..कृषि क्षेत्र में रुचि वैश्विक स्तर पर कम होती जा रही है। एफएओ के आंकड़े के अनुसार जहां वर्ष 2000 में करीब 102.7 करोड़ लोग यानी वैश्विक । 'श्रमबल का करीब 40 1 फीसद हिस्सा कृषि से जुड़ा था, वह 2021 घट कर महज 27 फीसद रह गया। यानी अब 87.3 करोड़ लोग अपनी जीविका के लिए खेती पर निर्भर हैं। भारत में जिस तेजी से लोगों में खेती-बागवानी पर निर्भरता कम हो रही है, अपने कृषि प्रधान देश के लिए बहुत चिंता की बात है। केंद्र और राज्य सरकारों को इसके पीछे के कारणों पर विचार कर खेती करने वालों को ऐसी सुविधाएं देनी चाहिए, जिससे प्राकृतिक आपदाओं और दूसरी समस्याओं की वजह से फसलों की बर्बादी या फसल का बहुत कम दाम मिलने पर किसानों को किसी तरह का घाटा न उठाना पड़े और न ही कर्ज की हालत में कभी आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़े खाद्य एवं कृषि संगठन की 'स्टैटिस्टिकल ईयर बुकः वर्ल्ड फूड एंड एग्रीकल्चर 2023' के अनुसार वर्ष 1991 से 2021 के दौरान बाढ़, तूफान, अकाल और ओले गिरने तथा बादल फटने की घटनाओं से फसलों की बर्बादी हुई। पशुधन की मौत से करीब 321,6 लाख करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ा है। इन आपदाओं का सबसे ज्यादा खमियाजा भारत सहित पूरे एशिया के किसानों को भुगतना पड़ा। किसी और क्षेत्र में इतनी बड़ी चपत आमतौर पर देखने में नहीं आती। अगर आती भी है, तो उन देशों की सरकारें उनके साथ हर हाल में खड़ी रहती हैं। रपट बताती है कि भारत सहित एशिया के किसानों को पिछले तीन दशक के दौरान करीब 143.2 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अमेरिका और यूरोप आनुपातिक रूप से अधिक प्रभावित हुए हैं। वहीं अगर कृषि क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लिहाज से देखें, तो इन आपदाओं से अफ्रीका में किसानों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। इससे यह तस्वीर उभर कर सामने आती है कि प्राकृतिक आपदाएं भारत के किसानों के लिए ही नहीं, वैश्विक स्तर पर किसानों के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो रही हैं, इसलिए वैश्विक स्तर पर इस पर गहन विचार करना चाहिए और वैश्विक स्तर पर ऐसी नीति जरूर बनानी चाहिए, जिससे हर देश के किसान को प्राकृतिक आपदाओं की मार से बचाया जा सके। सर्वेक्षण बताते हैं कि खेती में लागत पहले से । कई गुना ज्यादा बढ़ गई है। इस वजह से भारत के से भारत के करोड़ों किसान साल के बारहों महीने कर्ज से दबे रहते हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की कोई सकारात्मक नीति न होने से भारत के लाखों किसान जहां आर्थिक समस्याओं में उलझे रहते हैं, वहीं पारिवारिक समस्याओं से भी परेशान रहते हैं। । स्वामीनाथन आयोग की रपट आज तक लागू नहीं हो पाई है। इसलिए भारत के किसी भी राज्य का किसान खुशहाल नहीं बन पाया है। सरकारों ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया कि लोगों में कृषि की तरफ रुचि फिर से पैदा हो और बेरोजगारी की विकराल समस्या से से लोगों को छुटकारा मिल सके।

एफएओ की रपट के अनुसार भारत की कृषि खाद्य प्रणालियों की छिपी लागत 91 लाख करोड़ रुपए है। वहीं वैश्विक स्तर पर खाद्य प्रणालियों की छिपी लागत करीब 1,057.7 लाख करोड़ रुपए है। इसमें भारत की हिस्सेदारी 8.8 फीसद है। इस तरह अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में तीसरी सबसे अधिक लागत है। कृषि में छिपी लागत किसानों के लिए सबसे चिंता का विषय है। रासायनिक कीटनाशकों का इस्तेमाल पर्यावरण प्रदूषण की एक बड़ी वजह है। की एक बड़ी वजह है। वैज्ञानिक शोध के मुताबिक ग्रीनहाउस गैसों की वजह से प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं और ऋतुचक्र में बेतहाशा बदलाव देखा जा जा रहा है। । नतीजा। फसल चक्र पर पर असर पड़ मस्याएं और बीमारियां बढ़ रही हैं। इससे किसान रहा है, जिससे तमाम समस्याएं सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। परीक्षण से पता चला है कि रासायनिक कीटनाशकों की वजह से अन्न उत्पादन या पाए जाने लगे हैं, जो कई गंभीरफली में एस हानिकारक तत्त्व की रपट के मुताबिक करीब 62 फीट की वजह बन रहे हैं। एफएओ इक्कीस वर्षों में कीटनाशकों के उपयोग में 162 फीसद का इजाफा हुआ है। । हालांकि 2021 में दुनिया के 2022 में दनिया भर आधे कीटनाशकों की खपत केवल अमेरिका में हुई थी। भारत सहित एशिया के कई देशों में कीटनाशकों का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। भारत के किसान विकसित देशों के किसानों से से बहुत गरीब हैं। यहां को बहुत कम मिलती इसलिए सहूलियतें भी उन देशों की अपेक्षा ! इन्हें हैं। केंद्र और राज्य सरकारों को कृषि को घाटे वाले क्षेत्र से निकाल कर मुनाफे वाले क्षेत्र में लाने के लिए सार्थक कदम उठाने चाहिए। सिंचाई, खाद, बिजली की सुविधाएं, बीज, श्रम और छिपी लागत से किसानों पर पड़ रहे अतिरिक्त बोझ से छुटकारा दिलाने के लिए गंभीरता से विचार करना चाहिए। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर भी खेती को मुनाफे वाली बनाया जा सकता है।

क्वांटम कंप्यूटर में क्रांतिकारी कदम

विजय गर्ग

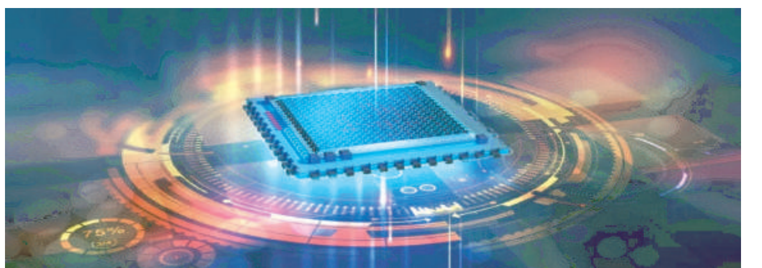

गूगल ने इसी महीने 'विलो' नाम की क्वांटम चिप बना कर तकनीक के क्षेत्र में हलचल पैदा कर दी है। अत्यंत सूक्ष्म, महज चार वर्ग सेंटीमीटर की यह चिप एक तरफ तो तीस वर्ष से भी ज्यादा पुरानी समस्या का हल खोजने में सक्षम है, वहीं यह पांच मिनट में ऐसे काम कर सकती है, जिन्हें करने में सबसे तेज सुपर कंप्यूटर को भी अरबों साल लग सकते हैं। इस चिप से कृत्रिम बुद्धि, फ्यूजन ऊर्जा तथा तारामंडल के ग्रह-नक्षत्रों का अध्ययन करने में मदद मिलेगी। मौसम और प्राकृतिक आपदाओं की सटीक भविष्यवाणी करने में सुविधा होगी। तकनीकी क्षेत्र में इस नवीन उपलब्धि की सभी जगह चर्चा है। एलन मस्क जैसे लोग इस उत्पाद को लेकर अचंभित हैं। इसलिए इसे 'सुपर ब्रेन' की संज्ञा दी रही है। 'विलो' चिप व्यावसायिक रूप में क्वांटम कंप्यूटिंग की नई दिशा तय करती हुई मील का पत्थर साबित होगी।

कुछ समय पहले तक असंभव सी लगने वाली चीजें आज प्रौद्योगिकी की मदद से सरलता से परिणाम तक पहुंच रही हैं। एक समय संगणक के विकास ने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव किया था। अब कृत्रिम बौद्धिकता यानी एआइ ने चिकित्सा से लेकर हथियारों के निर्माण तक हर क्षेत्र में कंप्यूटर और रोबोट के प्रयोग को नया आयाम दिया है। पारंपरिक कंप्यूटर की दुनिया में इस प्रगति के समांतर एक और अनुसंधान चल रहा है, जिसका नाम है 'क्वांटम कंप्यूटिंग' यानी अति-सूक्ष्मता का विज्ञान भारत ने ने भी अब इस क्षेत्र में गति लाने का एलान कर दिया है। भौतिक शास्त्र के क्वांटम सिद्धांत पर काम करने वाली इस कंप्यूटिंग में असीमित संभावनाएं देखी जा जा रही हैं। शोध के के लिहाज से यह विषय किसी के लिए भी रुचि का हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार एक पूर्ण विकसित क्वांटम कंप्यूटर की क्षमता सुपर कंप्यूटर से भी ज्यादा आंकी जा रही है। इसकी शुरुआत के बाद भारतीय और पश्चिमी वैज्ञानिक मान रहे रहे हैं कि भाववादी सिद्धांत को जाने बिना अणु या कण में चेतना का आकलन नहीं किया जा सकता। क्वांटम कंप्यूटिंग या यांत्रिकी एक लैटिन शब्द है। इसका अर्थ कण है। इस विषय के अंतर्गत पदार्थ के अति सूक्ष्म व अतिसूक्ष्म कण कणों का अध्ययन किया जाता है। इनमें परमाणु, न्यूक्लियस तथा इलेक्ट्रान और प्रोटान सभी मौलिक कणों का अध्ययन शामिल है। इसमें इनके व्यवहार और उपयोगिता का अध्ययन किया जाता है। इस नवीन विषय के अध्ययन की नींव 1890 में वैज्ञानिक मैक्स प्लांक ने डाली थी। हालांकि इस समय तक वैज्ञानिक यह मान कर चल रहे थे कि भौतिकी में जितने नियमों का आविष्कार होना था, लगभग हो चुके हैं ज्ञान ने पहले परमाणु को ही ऐसा सबसे सूक्ष्मतम कण बताया था, जिसने विश्व का निर्माण किया है। फिर आगे की खोज से ज्ञात हुआ कि परमाणु भी विभाजित हो सकता है। यानी उसे और अत्यंत सूक्ष्म कणों में बांटा जा सकता है। फलतः ये सूक्ष्म कण, इलेक्ट्रान, प्रोटान और न्यूट्रान नाम के लघुतम रूपों में सामने आए।

कण यांत्रिकी को भविष्य का कंप्यूटर माना जा रहा है। यह परमाणु और उप परमाणु के स्तर पर ऊर्जा और पदार्थ की व्याख्या करती है। पारंपरिक कंप्यूटर बिट (अंश) पर काम करते हैं, वहीं क्वांटम कंप्यूटर में प्राथमिक इकाई क्यूबिट यानी कणांश होती है। पारंपरिक कंप्यूटर में प्रत्येक बिट का मूलाधार या मूल्य शून्य (0) और एक (एक) होता है। कंप्यूटर इसी शून्य और एक की भाषा में कुंजीपटल (की-बोर्ड) से दिए निर्देश को ग्रहण करके समझता और परिणाम देता है। वहीं क्वांटम की विलक्षणता यह होगी कि वह एक साथ शून्य और एक दोनों को ग्रहण कर लेगा। यह क्षमता क्यूबिट की वजह से विकसित होगी। नतीजतन, यह दो क्यूबिट में एक साथ चार मूल्य या परिणाम देने में सक्षम हो जाएगा। एक साथ चार परिणाम स्क्रीन पर प्रकट होने की इस अद्वितीय क्षमता के कारण इसकी गति पारंपरिक कंप्यूटर से बहुत ज्यादा होगी। उससे कहीं अधिक मात्रा में यह कंप्यूटर डेटा ग्रहण और सुरक्षित रखने होगा। इसीलिए दावा किया जा जा रहा है कि इसकी में समर्थ मदद स से आंकड़ों और सूचनाओं को कम से कम समय में प्रसारित किया जा सकेगा। एआइ जीपीटी चैट और चैटबाट जैसी तकनीक इसकी सहायता से और तेजी से गतिशील रहेंगी। मगर विलो चिप निर्माण की घोषणा ने सुपर कंप्यूटर के निर्माताओं को फिलहाल सकते में डाल दिया है, क्योंकि 'विलो चिप' की क्षमताएं ब्रह्मांड व्यास की तरह शक्तिशाली और असीमित बताई गई हैं।

क्वांटम कंप्यूटर की क्षमता को देखते हुए इसके विकास में भारत समेत अनेक देश लगे हैं। यही वजह है कि आविष्कार से पहले इसकी क्षमताओं का मूल्यांकन कर लेने वाले देश इसके अनुसंधान पर बड़ी धनराशि खर्च कर रहे हैं। चीन ने 15 अरब डालर खर्च करने की घोषणा की है। चीन की ई-कामर्स कंपनी अलीबाबा अलग से इस पर काम कर रही है। यूरोपीय संघ इस क्षेत्र में करीब आठ अरब डालर खर्च कर रहा है। भारत सरकार ने भी इस दिशा में शोध को बढ़ावा देने के लिए क्वांटम सूचना विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्था का गठन तो पहले ही कर लिया था, लेकिन केवल क्वांटम तकनीक पर नवीन शोध और आविष्कार के लिए 2023-24 से 2030-31 तक चलने वाले इस अभियान पर 6003.65 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। भारत इतनी बड़ी राशि पहली बार खर्च कर रहा है।

₹फिलहाल ऐसा माना जा रहा है कि क्वांटम यांत्रिकी का क्षेत्र जितना महत्त्वपूर्ण है, उस तुलना में इस क्षेत्र में कुशल युवाओं की संख्या बहुत कम है। एक अनुमान के मुताबिक दुनियाभर में एक हजार से भी कम लोग क्वांटम अभियांत्रिकी या भौतिकी में शोधरत हैं। अनेक कंपनियां योग्य और कल्पनाशील लोगों की तलाश में है। हैरानी इस पर भी है कि क्षेत्र में भविष्य की आपार संभावनाएं होने के बावजूद इस जटिल विषय की युवा आकर्षित नहीं हो रहे हैं। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि है कि कुशाग्र बुद्धि वाले जो विद्यार्थी कल्पनाशील विचार रखते हैं, उन्हें हतोत्साहित कर कंपनियों के पारंपरिक कार्यों में खपाया या सरकारी नौकरियों के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका सामना क्वांटम भौतिकी के जनक मैक्स प्लांक को भी करना पड़ा था। जब तब उन्होंने इस विषय पर काम करने प्लांक दसवीं कक्षा के छात्र छात्र थे, तब का विचार अपने गुरु को दिया, तो उनका उत्तर था, ' 'भौतिकी में अब नए आविष्कारों की संभावनाएं खत्म हो चुकी हैं। इसमें जितना शोध और अनुसंधान होने की संभावनाएं थीं, वे पूरी हो चुकी हैं। अतः इस विचार को छोड़ दो।' मगर यह मैक्स की दृढ़ इच्छाशक्ति थी कि उन्होंने अपने विचार को शोध के रूप में आगे बढ़ाया और क्वांटम भौतिकी को जन्म दिया। अब यही क्वांटम भौतिकी कंप्यूटर की क्वांटम यांत्रिकी बन रही है। 'विलो' चिप को इस कंप्यूटर का सुपर ब्रेन माना जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि इस क्षेत्र में जो देश बढ़-चढ़ कर नेतृत्व करेगा, वही दुनिया पर राज भी करेगा।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

कहानी : प्रभु की अनुकम्पा

विजय गर्ग

एक व्यक्ति गाड़ी से उतरा... और बड़ी तेज़ी से एयरपोर्ट में घुसा, जहाज़ उड़ने के लिए तैयार था, उसे किसी कार्यकर्म मे पहुंचना था जो खास उसी के लिए आयोजित की जा रही था...

वह अपनी सीट पर बैठा और जहाज़ उड़ गया... अभी कुछ दूर ही जहाज़ उड़ा था कि... कैप्टन ने घोषणा की, तूफानी बारिश और बिजली की वजह से जहाज़ का रेडियो सिस्टम ठीक से काम नहीं कर रहा... इसलिए हम पास के एयरपोर्ट पर उतरने के लिए विवस हैं.

जहाज़ उतरा वह बाहर निकल कर कैप्टन से शिकायत करने लगा कि... उसका एक-एक मिनट क़ीमती है और होने वाली कार्यकर्म में उसका पहुँचना बहुत ज़रूरी है... पास खड़े दूसरे यात्री ने उसे पहचान लिया... और बोला डॉक्टर पटनायक आप जहां पहुंचना चाहते हैं... टैक्सी द्वारा यहां से केवल तीन घंटे मे पहुंच सकते हैं... उसने धन्यवाद किया और टैक्सी लेकर निकल पड़ा...

लेकिन ये क्या आंधी, तूफान, बिजली, बारिश ने गाड़ी का चलना मुश्किल कर दिया, फिर भी ड्राइवर चलता रहा...

अचानक ड्राइवर को आभास हुआ कि वह रास्ता भटक चुका है...

ना उम्मीदी के उतार चढ़ाव के बीच उसे एक छोटा सा घर दिखा... इस तूफान में वहीं ग़नीमत समझ कर गाड़ी से नीचे उतरा और दरवाज़ा खटखटाया...

आवाज़ आई... जो कोई भी है अंदर आ जाए... दरवाज़ा खुला है...

अंदर एक बुढ़िया आसन बिछाए भगवद् गीता पढ़ रही थी... उसने कहा ! मांजी अगर आज्ञा हो तो आपका फोन का उपयोग कर लूं...

बुढ़िया मुस्कुराई और बोली... बेटा कौन सा फोन ?? यहां ना बिजली है ना फोन..

लेकिन तुम बैठो... सामने चरणामृत है, पी लो... थकान दूर हो जायेगी... और खाने के लिए भी कुछ ना कुछ फल मिल जायेगा...खा लो ! ताकि आगे यात्रा के लिए कुछ शक्ति आ जाये...

डाक्टर ने धन्यवाद किया और चरणामृत पीने लगा... बुढ़िया अपने पाठ मे खोई थी कि उसके पास उसकी नज़र पड़ी... एक बच्चा कंबल मे लपेटा पड़ा था जिसे बुढ़िया थोड़ी थोड़ी देर मे हिला देती थी...

बुढ़िया की पूजा हुई तो उसने कहा... मां जी ! आपके स्वभाव और व्यवहार ने मुझ पर जादू कर दिया है... आप मेरे लिए भी प्रार्थना कर दीजिए... यह मौसम साफ हो जाये मुझे उम्मीद है आपकी प्रार्थनायें अवश्य स्वीकार होती होंगी...

बुढ़िया बोली... नही बेटा ऐसी कोई बात नही... तुम मेरे अतिथी हो और अतिथी की सेवा ईश्वर का आदेश है... मैने तुम्हारे लिए भी प्रार्थना की है... परमात्मा की कृपा है... उसने मेरी हर प्रार्थना सुनी है...

बस एक प्रार्थना और मै उससे माँग रही हूँ शायद जब वह चाहेगा उसे भी स्वीकार कर लेगा...

कौन सी प्रार्थना..??

डाक्टर बोला...

बुढ़िया बोली... ये जो 2 साल का बच्चा तुम्हारे सामने अधमरा पड़ा है, मेरा पोता है, ना इसकी मां ज़िंदा है ना ही बाप, इस बुढ़ापे में इसकी ज़िम्मेदारी मुझ पर है, डाक्टर कहते हैं... इसे कोई खतरनाक रोग है जिसका वो उपचार नहीं कर सकते, कहते हैं की एक ही नामवर डाक्टर है, क्या नाम बताया था उसका !

हां ₹डॉ पटनायक ₹ ... वह इसका ऑपरेशन कर सकता है, लेकिन मैं बुढ़िया कहां उस डॉ तक पहुंच सकती हूं ? लेकर जाऊं भी तो पता नही वह देखने पर राज़ी भी हो या नही ? बस अब बंसीवाले से ये ही माँग रही थी कि वह मेरी मुश्किल आसान कर दे..!!

डाक्टर की आंखों से आंसुओं की धारा बह रहा है....वह भर्राई हुई आवाज़ मे बोला !

माई...आपकी प्रार्थना ने हवाई जहाज़ को नीचे उतार लिया, आसमान पर बिजलियां कौधवा दीं, मुझे रस्ता भुलवा दिया, ताकि मैं यहां तक खींचा चला आऊं, हे भगवान ! मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा... कि एक प्रार्थना स्वीकार करके अपने भक्तों के लिए इस तरह भी सहायता कर सकता है.....!!!!

दोस्तों, वह सर्वशक्तिमान है.... परमात्मा के भक्तो उससे लौ लगाकर तो देखो... जहां जाकर प्राणी असहाय हो जाता है, वहां से उसकी परम कृपा शुरू होती है...। यह आप सबसे अधिक लोगो को भेजे ताकि मुझ जैसे लाखो लोगों की आँखे खुले......!!

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

कम समय में बोर्ड परीक्षा के लिए प्रभावी ढंग से अध्ययन करने के टिप्स

विजय गर्ग

यदि आपको आगामी परीक्षा के लिए अध्ययन करना है, लेकिन आपके पास तैयारी के लिए कम समय है तो परीक्षा के लिए अच्छी तरह से अध्ययन करने के लिए इन युक्तियों और युक्तियों का पालन करें। यहां जानिए कम समय में परीक्षा की तैयारी के लिए कुछ जरूरी टिप्स। अंतिम परीक्षाओं के लिए डेट शीट की घोषणा की जा रही है, छात्र परीक्षा में अच्छा स्कोर करने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। हालाँकि, अधिकांश छात्र इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि परीक्षा की तैयारी कैसे करें क्योंकि उन्हें एक वर्ष का पूरा पाठ्यक्रम कुछ ही हफ्तों में पूरा करना होता है। चिंता मत करो ! यदि आपको आगामी परीक्षा के लिए अध्ययन करना है, लेकिन आपके पास तैयारी के लिए कम समय है तो परीक्षा के लिए अच्छी तरह से अध्ययन करने के लिए इन युक्तियों और युक्तियों का पालन करें। यदि आपके पास परीक्षा के लिए कुछ महीने या कुछ दिन का समय है तो भी ये युक्तियाँ सहायक हैं। यहां कम समय में परीक्षा के लिए अध्ययन करने के टिप्स दिए गए हैं -

1. पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों का विश्लेषण करें - आपके पास पहले से ही प्रत्येक चीज़ का अध्ययन करने के लिए कम समय बचा है, इसलिए परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए, आपको अपने समय का कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। आपको अपनी आगामी परीक्षाओं के पाठ्यक्रम के अनुसार पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों के विश्लेषण से शुरुआत करनी होगी। इसके लिए आपको निम्नलिखित कार्य करने होंगे - कम से कम 5-10 वर्षों के पिछले वर्षों के प्रश्न पत्र एकत्रित करें विभिन्न अध्यायों के प्रश्नों के वेटेज को क्रॉस-चेक करें, ताकि अधिक वेटेज और कम महत्वपूर्ण अध्यायों वाले अध्यायों की पहचान की जा सके। आपको उन प्रश्नों और अध्यायों के बारे में पता चलेगा जो कठिन, औसत और आसान स्तर के हैं। इससे आपको प्रत्येक अध्याय के महत्वपूर्ण विषयों को समझने में मदद मिलेगी जिनका आपको परीक्षा के लिए अध्ययन करना चाहिए। 2. प्राथमिकता के अनुसार अध्ययन कार्यक्रम निर्धारित करें - अब आपको प्रश्नों की संख्या, अंक वेटेज और कठिनाई स्तर के अनुसार महत्वपूर्ण अध्यायों के लिए प्राथमिकता निर्धारित करने की आवश्यकता है। प्राथमिकता सूची के अनुसार प्रत्येक अध्याय के लिए समय निर्धारित करें और अधिक महत्व वाले या आसान अध्यायों से शुरुआत करें, ताकि आप कठिन अध्यायों की तैयारी के लिए अपना समय और प्रयास बचा सकें। सबसे महत्वपूर्ण बात, अपने टाइम टेबल/अध्ययन योजना में बार-बार बदलाव न करें। बस प्राथमिकता सूची के अनुसार एक अध्ययन कार्यक्रम निर्धारित करें और बेहतर परिणामों के लिए उसका पालन करें। 3. पढ़ाई करते समय बिंदु बनाएं - जब आप अपनी तैयारी शुरू करते हैं, तो उस विषय को पढ़ें जिसे आपको सीखना है, और फिर आसानी से सीखने के लिए संकेतक वाक्य बनाएं। इसे सरल बनाने के लिए, आप उत्तरों और संबंधित विषयों को दर्शाने के लिए बुलेट्स, नंबरिंग, विशेष प्रतीकों या माइंड मैपिंग यानी आरेख का उपयोग कर सकते हैं। 4. पढ़ाई करते समय केवल वही चीजें रखें जिनकी आपको जरूरत है - आमतौर पर ऐसा होता है कि छात्र पढ़ाई के दौरान अपने मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट साथ ले जाते हैं जिससे उनका ध्यान लगातार भटकता रहता है। पढ़ाई करते समय कभी भी ऐसे उपकरण अपने पास नहीं रखने चाहिए, इससे आपकी एकाग्रता पर असर पड़ता है और आपका समय बर्बाद होता है। आपको केवल वही चीजें लेनी चाहिए जिनकी आपको वास्तव में अध्ययन करने के लिए आवश्यकता है जैसे नोटबुक, सिलेबस, प्रश्न पत्र और स्टेशनरी आदि। इसके अलावा, जिन चीजों की आपको आवश्यकता है उन्हें एक स्थान पर रखें ताकि आपको पढ़ाई के लिए उठना या अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़नी पड़े। उन्हें। 5. पढ़ाई के दौरान बार-बार या लंबे समय तक ब्रेक न लें - आमतौर पर विशेषज्ञों द्वारा आपकी तैयारी के बीच में ब्रेक लेने की सलाह दी जाती है,

लेकिन उनमें से किसी ने भी समय अवधि और ब्रेक की संख्या का उल्लेख नहीं किया है। आदर्श रूप से, आपको अध्ययन के हर 45 मिनट के दौर में 15 मिनट का ब्रेक लेना चाहिए। इसके अलावा, 15 मिनट के ब्रेक को 10+5, 5+10 या 5+5+5 में विभाजित न करें क्योंकि इससे आपका ध्यान भटक जाएगा। इसलिए, पढ़ाई के दौरान एकाग्रता बनाए रखने के लिए एक घंटे में छोटा ब्रेक लें यानी 60 मिनट = 45 मिनट की पढ़ाई + 15 मिनट का एक ब्रेक 6. अच्छी नींद लेंऔर स्वस्थ भोजन करें - याद रखने वाली सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पढ़ाई के दौरान खुद को चौकस रखने के लिए आपको स्वस्थ भोजन करना चाहिए और अच्छा आराम करना चाहिए। इसके लिए, आपको 6-7 घंटे सोना चाहिए फल, सब्जियाँ, फलों का रस/स्मूदी जैसे स्वास्थ्यवर्धक भोजन ही करें कुछ शारीरिक व्यायाम और ध्यान करने के लिए समय निकालें, इससे आपको शारीरिक और मानसिक फिटनेस में सुधार करने में मदद मिलेगी इसके अलावा, कृपया जंक फूड, चीनी लेपित उत्पादों और कैफीन से बचें क्योंकि ये चीजें आपके शरीर को अधिक थका देती हैं और आप पढ़ाई के दौरान ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

ग्लोबल एविएशन हब बनेगा भारत! नीति आयोग ने तैयार किया पूरा प्लान, बजट में बड़े एलान की उम्मीद

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट पेश करेंगी। इसमें एविएशन सेक्टर को कर छूट इस सेक्टर की कंपनियों को काम करने संबंधी नियमों को आसान बनाने और देश में विमानन कंपनियों पर लगाए जाने वाले सेवा शुल्कों में छूट देने के लिए एक समग्र पैकेज की घोषणा की जा सकती है।

नई दिल्ली। भारत का उड्डयन सेक्टर दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले एक दशक में कई बार केंद्रीय उड्डयन मंत्रियों की तरफ से यह कहा भी जा चुका है कि वह भारत को एक वैश्विक एविएशन हब के तौर पर स्थापित करना चाहते हैं। हालांकि अब केंद्र सरकार पहली बार इस उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए एक समग्र नीति तैयार करने में जुटी है।

इसकी एक महत्वपूर्ण झलक अगले आम बजट में दिखेगी। माना रहा है कि आगामी बजट में एविएशन सेक्टर को कर छूट, इस सेक्टर की कंपनियों को काम करने संबंधी नियमों को आसान बनाने और देश में विमानन कंपनियों पर लगाए जाने वाले सेवा शुल्कों में छूट देने के लिए एक समग्र पैकेज की घोषणा की जाएगी।

नीति आयोग ने तैयार किया है प्लान

पैकेज का प्रारूप नीति आयोग ने केंद्र सरकार के सभी संबंधित मंत्रालयों जैसे गृह मंत्रालय, पेट्रोलियम मंत्रालय, नागरिक विमानन मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय के साथ गहन विमर्श के बाद तैयार किया है। नीति आयोग का यह पैकेज कई चरणों में लागू होगा।

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया, 'सरकार की भावी नीति पीएम नरेन्द्र मोदी की तरफ से सितंबर, 2024 में एशिया प्रशांत मंत्रिस्तरीय बैठक में कही गई बात को मूर्त रूप देने वाला होगा। उसमें पीएम मोदी ने कहा था कि हमारा उद्देश्य आम जनता तक हवाई यात्रा की सेवा को पहुंचाना, हवाई यात्रा को सुगम, किफायती और सभी के लिए उपलब्ध बनाने की होनी चाहिए।'

यह टियर-2 और टियर-3 श्रेणी के शहरों में निवेश बढ़ाने वाला और समूचे घरेलू उड्डयन सेक्टर में रोजगार के नए अवसरों को बढ़ाने वाला होगा। बताते चलें कि नीति आयोग ने एविएशन सेक्टर को प्रोत्साहन देने की इस नीति के तहत विमान ईंधन (एटीएफ) को जीएसटी में लाने का प्रस्ताव किया था और वित्त मंत्रालय की तरफ से पिछले शनिवार को जीएसटी काउंसिल की बैठक में इसे रखा गया था, लेकिन राज्यों की सहमति नहीं मिल पाई।

हिसार को एविएशन हब बनाने पर लग सकती है मुहर

सरकार की भावी नीति में देश में दो एविएशन हब स्थापित करने की राह भी खुलेगी। पहले देश में एक एविएशन हब बनाने का प्रस्ताव था, लेकिन अब नागर विमानन मंत्रालय की तरफ से उत्तर व दक्षिण में एक-एक एविएशन बनाने की पेशकश की जाने वाली है। हाल ही में अमेरिकी सरकार की तरफ से दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 220 किलोमीटर दूरी पर स्थित हिसार एयरपोर्ट को एक एविएशन हब बनाने के लिए तकनीकी व वित्तीय मदद देने पर समझौता हुआ है।

हरियाणा की राज्य सरकार की तरफ से भी हिसार को एक वैश्विक एविएशन हब बनाने की बात कही गई है, लेकिन इस बारे में केंद्र सरकार की तरफ से अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

2047 तक देश में होंगे 400 एयरपोर्ट

वर्ष 2024 में घरेलू हवाई यात्रियों की कुल संख्या 22 करोड़ के पार कर जाने की संभावना है। यह संख्या वर्ष 2030 तक 40 करोड़ हो जाने और भारतीय विमानन कंपनियों के पास विमानों की मौजूदा संख्या 800 से बढ़कर 1400 हो जाने का अनुमान है। इसके साथ ही देश में हवाई अड्डों की मौजूदा संख्या भी 157 से बढ़कर 250 हो जाने का अनुमान है।

नागर विमानन मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 2047 तक भारत में 400 एयरपोर्ट होंगे। सिर्फ एयरपोर्ट निर्माण के लिए 24 अरब डालर के निवेश की दरकार है। जबकि विमानन कंपनियों को नये विमान खरीदने के लिए 150 अरब डालर के वित्त

रिटायरमेंट के लिए कैसे करें बचत, किन योजनाओं में लगाएं पैसा?

रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए आपको सबसे पहले तय करना होगा कि रिटायर होने के बाद आपकी जरूरतें क्या होंगी और आपकी लाइफस्टाइल कैसी रहेगी। साथ ही आप कितना बड़ा रिटायरमेंट फंड चाहते हैं। फिर आपको उसी हिसाब से बचत की शुरू करनी चाहिए। इसके लिए आप म्यूचुअल फंड में एसआईपी करने से लेकर पीपीएफ और एनपीएस जैसी सरकारी योजनाओं में निवेश कर सकते हैं। आइए जानते हैं पूरी डिटेल।

नई दिल्ली। रिटायरमेंट के लिए आप जितनी जल्दी प्लानिंग शुरू कर देंगे, उतना ही बेहतर रहेगा। अधिकतर फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह है कि आपको हर हाल में 30 साल की उम्र से अपना रिटायरमेंट प्लान करना शुरू कर देना चाहिए। इससे आप बड़ा रिटायरमेंट फंड बना पाएंगे और आपकी बुढ़ापे में आर्थिक नजरिये से किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

रिटायरमेंट की प्लानिंग कैसे करें?

आपको सबसे पहले तय करना होगा कि रिटायरमेंट के बाद आपकी जरूरतें क्या होंगी और आपकी लाइफस्टाइल कैसी रहेगी। साथ ही, आप कितना बड़ा रिटायरमेंट फंड चाहते हैं। फिर आपको उसी हिसाब से बचत की शुरू करनी चाहिए। इसके लिए आप म्यूचुअल फंड में एसआईपी करने से लेकर पीपीएफ और एनपीएस जैसी सरकारी योजनाओं में निवेश कर सकते हैं।

Retirement के लिए बचत कैसे करें?

गैर-जरूरी खर्च कम करें और बचत करने पर ज्यादा ध्यान दीजिए। अगर आपने कोई लोन ले रखा है, तो उसे भी जल्दी खत्म करने की कोशिश करें। एकमुश्त पैसे बचाने की जरूरत नहीं है। छोटी-छोटी सेविंग से बड़ा फंड तैयार करें।

रिटायरमेंट लक्ष्य को हासिल करने के लिए निवेश को नियमित रूप से समीक्षा करत रहें।

मुद्रास्फीति को ध्यान में रखकर करें निवेश

मुद्रास्फीति (inflation) का मतलब है कि चीजों के दाम सालाना आधार पर किस तरह से बढ़ रहे हैं। भारत में अभी मुद्रास्फीति 5 फीसदी के करीब है। लेकिन, यह 1974 में 28 फीसदी के पार पहुंच गई थी। इसलिए आपको उन योजनाओं में निवेश करना चाहिए, जहां अधिक रिटर्न मिलने की गुंजाइश रहे। लंबी अवधि में मुद्रास्फीति आपकी आर्थिक स्थिति को सबसे अधिक प्रभावित कर सकती है। इसलिए आपको इस पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिए।

रिस्क मैनेजमेंट का भी रखें ख्याल

रिटायरमेंट के लिए निवेश करते समय रिस्क मैनेजमेंट (Risk Management) का भी ध्यान रखना चाहिए। आप अपनी पूरी बचत किसी एक ही स्कीम में निवेश न करें। उसे अलग-अलग निवेश माध्यमों में लगाएं। जैसे कि कुछ पैसे शेयर मार्केट में लगाएं और अच्छे फंडामेंटल वाले स्टॉक खरीदें।

बैंक नीलामी में अब आसानी से खरीद सकेंगे फ्लैट-जमीन और गाड़ी, सरकार ने दी ये खास सुविधा

वित्त मंत्रालय ने ई-ऑक्शन पोर्टल बैंकनेट लॉन्च किया है। अभी मकान फ्लैट व वाहन की खरीदारी के लिए विभिन्न प्रकार के पोर्टल पर जाकर लोग उसे सर्च करते हैं। अब बैंकनेट पोर्टल पर भी इस प्रकार के सर्च कर खरीदारी की जा सकती है। अभी ही बैंकनेट पोर्टल पर देश के विभिन्न स्थानों पर नीलामी के 122500 प्रॉपर्टी की विस्तृत जानकारी अपलोड हो चुकी है।

नई दिल्ली। अब बैंक की तरफ से होने वाली नीलामी में फ्लैट से लेकर आवासीय व कृषि जमीन के साथ प्लांट व मशीनरी की आसानी से खरीदारी कर सकेंगे। नीलामी प्रक्रिया को आसान एवं सभी के लिए उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को वित्त मंत्रालय का वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम.नागाराजु ने बैंकनेट नामक पोर्टल लॉन्च किया।

इस पोर्टल पर सभी सरकारी बैंक फ्लैट, मकान, जमीन, वाहन, मशीनरी, प्लांट की पूरी जानकारी देंगे। पोर्टल पर जाकर कोई भी व्यक्ति नीलाम होने वाली सभी प्रॉपर्टी की जानकारी लेकर उसमें भाग ले सकता है। अगर कोई दिक्कत महसूस हो रही है तो काल सेंटर को काल भी कर सकता है।

अभी अलग-अलग पोर्टल पर करना पड़ता है सर्च

अभी मकान, फ्लैट व वाहन की खरीदारी के लिए विभिन्न प्रकार के पोर्टल पर जाकर लोग उसे सर्च करते हैं। अब बैंकनेट पोर्टल पर भी इस प्रकार के सर्च कर खरीदारी की जा सकती है। अभी ही बैंकनेट पोर्टल पर देश के विभिन्न स्थानों पर नीलामी के 1,22,500 प्रॉपर्टी की विस्तृत जानकारी अपलोड हो चुकी है। पोर्टल पर प्रॉपर्टी की नीलामी से पहले व नीलामी के साथ नीलामी के बाद की पूरी जानकारी दी जाएगी।

सरकारी बैंक लोन में डिफॉल्टर होने वाले की प्रॉपर्टी, जमीन, प्लांट, मशीनरी, वाहनों की नीलामी पर अपनी रकम वसूलती है। इस काम के लिए बैंक अखबारों में इश्तिहार देकर लोगों को नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए लोगों को आमंत्रित करते हैं।

बैंकनेट पर सभी सरकारी बैंक नीलामी की जानकारी देंगे। इस पोर्टल के लांच होने से बैंक को इस नीलामी में अधिक से अधिक लोग हिस्सा ले सकेंगे और उन्हें अधिक कीमत मिल सकती है। इस पोर्टल पर जाकर खरीदारी करने पर ग्राहकों के साथ किसी धोखाधड़ी की कोई आशंका नहीं रहेगी।

पेंशनधारकों को सरकार का बड़ा तोहफा, सेंट्रलाइज्ड पेंशन पेमेंट सिस्टम शुरू; पढ़ें क्या होगा फायदा

परिवहन विशेष न्यूज

ईपीएफओ पेंशन की नई प्रणाली के कामयाब होने की घोषणा करते हुए केंद्रीय श्रम व रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली का पूर्ण कार्यान्वयन एक मील का पत्थर है। ईपीएफओ की यह परिवर्तनकारी पहल पेंशनभोगियों को देश में कहीं भी किसी भी बैंक और शाखा से अपनी पेंशन हासिल करने में सक्षम बनाता है।

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन पेंशन सेवाओं के तहत केंद्रीयकृति पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) शत-प्रतिशत कामयाबी के साथ पूरे देश में लागू हो गई है। पेंशन भुगतान सेवाओं की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए ईपीएफओ ने दिसंबर 2024 में कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत ईपीएफओ के सभी 122 पेंशन वितरण क्षेत्रीय कार्यालयों से संबंधित 68 लाख से अधिक पेंशनभोगियों को एक साथ पेंशन का खाते में भुगतान कर दिया है।

यह कदम एक मील का पत्थर: मनसुख मंडाविया

इसमें पेंशन धारकों को 1570 करोड़ रुपये की पेंशन राशि हस्तांतरित की गई है।

ईपीएफओ पेंशन की नई प्रणाली के कामयाब होने की घोषणा करते हुए केंद्रीय श्रम व रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली का पूर्ण कार्यान्वयन एक मील का पत्थर है।

ईपीएफओ की यह परिवर्तनकारी पहल पेंशनभोगियों को देश में कहीं भी किसी भी बैंक और शाखा से अपनी पेंशन हासिल करने में सक्षम बनाता है। इसमें भौतिक सत्यापन के लिए पेंशनभोगियों के आने-जाने की आवश्यकता नहीं और पेंशन वितरण प्रक्रिया सरल है।

'पेंशन भुगतान की नई प्रणाली से हम तय कर रहे नया मानदंड'

मंडाविया ने कहा कि ईपीएफओ सेवाओं को आधुनिक बनाने और पेंशनभोगियों के लिए सुविधा, पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता का सीपीपीएस प्रमाण है। पेंशन भुगतान की दिशा में इसके जरिए हम नया मानदंड स्थापित कर रहे हैं।

मालूम हो कि सीपीपीएस का पहला पायलट अक्टूबर 2024 में करनाल, जम्मू और श्रीनगर क्षेत्रीय कार्यालयों में सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इसमें 49,000 से अधिक पेंशनभोगियों को लगभग 11 करोड़ रुपए पेंशन का भुगतान किया गया।

किसी भी बैंक से पेंशन ले सकेंगे पेशनभोगी

दूसरा पायलट नवंबर 2024 में 24 क्षेत्रीय कार्यालयों में शुरू हुआ जिसमें 9.3 लाख से अधिक पेंशनभोगियों को 213 करोड़ रुपए पेंशन वितरित हुए। सीपीपीएस के तहत ईपीएफओ का प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय केवल 3-4 बैंकों के साथ अलग-अलग समझौते करता है। इसमें पेंशनभोगी किसी भी बैंक से पेंशन ले सकेगा बल्कि पेंशन शुरू होने के समय किसी भी सत्यापन के लिए उसे बैंक जाने की आवश्यकता नहीं होगी और पेंशन जारी होते ही तुरंत जमा हो जाएगी।

जनवरी 2025 से सीपीपीएस पूरे देश में पेंशन का वितरण सुनिश्चित करेगी जिसमें पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) को एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में स्थानांतरित करने की आवश्यकता नहीं होगी। भले ही पेंशनभोगी एक स्थान से दूसरे स्थान पर चले जाएं या अपना बैंक या शाखा बदल लें। रिटायरमेंट के बाद अपने गृहनगर चले जाने वाले पेंशनभोगियों को इससे बड़ी सहूलियत होगी।

क्या चीनी का बढ़ेगा भाव? मौजूदा मार्केटिंग सीजन में 16 फीसदी घटा प्रोडक्शन

2024-25 सीजन के पहली तिमाही में चीनी का उत्पादन 95 .40 लाख टन रहा। यह आंकड़ा एक साल पहले 113 .01 लाख टन था। इस साल 493 चीनी मिलों में पेराई हो रही थी जबकि पिछले 512 चीनी मिल चालू थीं। उत्पादन के आंकड़ों एथेनॉल बनाने के लिए चीनी के इस्तेमाल को शामिल नहीं किया गया है। अगर चीनी उत्पादन आगे भी कम रहा तो इसके भाव बढ़ सकते हैं।

नई दिल्ली। चीनी का उत्पादन मौजूदा मार्केटिंग सीजन की पहली तिमाही में एक साल पहल के मुकाबले करीब 16 फीसदी घटा है। इससे चीनी के भाव में उछाल आने की आशंका जताई जा रही है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (ISMA) ने चीनी के उत्पादन का पहला अनुमान जारी कर दिया है। चीनी का मार्केटिंग सीजन 1 अक्टूबर से शुरू होता है।

शुगर प्रोडक्शन कितना रहा?

2024-25 सीजन के पहली तिमाही में चीनी का उत्पादन 95.40 लाख टन रहा। यह आंकड़ा एक साल पहले 113.01 लाख टन था। इस साल 493 चीनी मिलों में पेराई हो रही थी, जबकि पिछले 512 चीनी मिल चालू थीं। उत्पादन के आंकड़ों एथेनॉल बनाने के लिए चीनी के इस्तेमाल को शामिल नहीं किया गया है।

चीनी उत्पादन घटने की वजह

ISMA के मुताबिक, कुछ राज्यों में एथेनॉल डायवर्जन बढ़ा है। इस वजह से चीनी उत्पादन में गिरावट आई है। एथेनॉल के लिए साल 2023-24 डायवर्जन 21.50 लाख टन रहा है जबकि 2024-25 में एथेनॉल के लिए 40 लाख टन चीनी का डायवर्जन रहा। वहीं कर्नाटक और महाराष्ट्र में पेराई देर से शुरू हुई। यह भी उत्पादन घटने की एक बड़ी वजह है।

क्या चीनी के बढ़ेंगे दाम?

चीनी उद्योग के जानकारों का कहना है कि अभी कई मिलों में पेराई चल रही है। इससे उम्मीद है कि चीनी का उत्पादन बढ़ जाएगा। हालांकि, अगर उत्पादन ज्यादा कम रहा, तो उसका असर चीनी की कीमतों पर भी दिख सकता है। चीनी मंडी के मुताबिक, दिल्ली में चीनी का मौजूदा खुदरा भाव 42 रुपये किलो है।

क्या चीनी की कमी हो सकती है?

ISMA के डायरेक्टर दीपक बल्लानी के मुताबिक, देश में चीनी की किल्लत होने की कोई आशंका नहीं है। उन्होंने कहा कि चीनी की कोई कमी नहीं है। अगले साल के लिए चीनी का प्रोडक्शन अच्छा लग रहा है।

बल्लानी ने कहा, 'महाराष्ट्र और कर्नाटक में पेराई देर से शुरू हुई है। पिछले 15 दिनों का क्राशिंग रेट पिछले साल से अच्छा है। इससे चीनी उत्पादन बढ़ने की पूरी संभावना है।'

10 लाख टन एक्सपोर्ट की मांगी मंजूरी

बल्लानी ने यह भी कहा कि चीनी मिलों ने सरकार से 10 लाख टन के एक्सपोर्ट की मंजूरी मांगी है। अगर सरकार ने इजाजत दे दी, तो इससे मिलों को आर्थिक तौर पर बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमने सरकार से चीनी की मिनिमम सेलिंग प्राइस भी बढ़ाने की मांग की है। सरकार एथेनॉल का भाव बढ़ाने पर भी जल्द फैसला ले सकती है।

बेसिक होम लोन का रेफरल एजेंट नेटवर्क को बढ़ाने का प्लान; 50 हजार लोगों को मिलेगा कमाई का मौका

बेसिक होम लोन की कामयाबी में रेफरल एजेंट नेटवर्क का बड़ा हाथ है। इसका मतलब है कि कोई भी स्टूडेंट हाउसवाइफ या आम आदमी कंपनी के लिए ग्राहक लाकर कमाई कर सकता है। कंपनी के रेफरल एजेंट नेटवर्क से फिलहाल 15000 लोग जुड़े हैं। कंपनी इसे अगले 12 महीने में बढ़ाकर 50000 तक पहुंचने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

नई दिल्ली। दिग्गज इन्वेस्टर आशीष कचोलिया के निवेश वाली बेसिक होम लोन की तेज ग्रोथ कर रही है। कंपनी ने पिछले साल की तुलना में 2.5 गुना ग्रोथ हासिल की है। इसने अगले वित्त वर्ष यानी 2025-26 में 30,000 करोड़ रुपये का कर्ज बांटने का लक्ष्य रखा है।

कंपनी अपने रेफरल एजेंट नेटवर्क में बड़ा विस्तार कर रही है। इससे बहुत-से पार्ट-टाइम कमाई का मौका मिल सकता है। बेसिक होम लोन के को-फाउंडर और सीईओ अतुल मोंगा ने दिल्ली और मुंबई में आयोजित सालाना कार्यक्रम "हडल" के दौरान कहा कि कंपनी 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को मजबूत करते हुए सभी के लिए घर खरीदने के सपने को साकार करने का प्रयास कर रही है।

रेफरल एजेंट नेटवर्क का विस्तार करने की योजना

बेसिक होम लोन की कामयाबी में रेफरल एजेंट नेटवर्क का बड़ा हाथ है। इसका मतलब है कि कोई भी स्टूडेंट, हाउसवाइफ या आम आदमी कंपनी के लिए ग्राहक लाकर कमाई कर सकता है। इस रेफरल एजेंट नेटवर्क में प्रॉपर्टी डीलर्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और फाइनेंशियल एडवाइजर्स जैसे प्रोफेशनल्स भी शामिल हैं। यह न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करता है, बल्कि संभावित ग्राहकों के लिए होम लोन हासिल करने की प्रक्रिया को भी आसान बनाती है।

कंपनी के रेफरल एजेंट नेटवर्क से फिलहाल 15,000 लोग जुड़े हैं। कंपनी इसे अगले 12 महीने में बढ़ाकर 50,000 तक पहुंचने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इसके सीईओ अतुल मोंगा ने कहा, ₹हमारे एजेंट और साझेदार हमारी सफलता की नींव हैं। हडल 2024 यह साबित करता है कि मॉर्गेज इंडस्ट्री में नवाचार और समावेशन के प्रति हमारा समर्पण अडिग है।₹

आधुनिक उपकरण और बेहतर अवसर

बेसिक होम लोन अपने एजेंट्स को आधुनिक उपकरण, परफॉर्मेंस इंसेंटिव और विकास के अवसर प्रदान करता है। कंपनी का लक्ष्य है कि यह नेटवर्क न केवल बड़े शहरों में बल्कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी अधिक प्रभावशाली बने। इससे नए ग्रेजुएट्स और पेशेवरों को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे।

2020 में स्थापित बेसिक होम लोन का उद्देश्य भारत में 'सभी के लिए आवास' के लक्ष्य को पूरा करना है। यह देशभर में 650 जिलों में काम कर रहा है और हर महीने $1 बिलियन से अधिक के लोन आवेदन प्रोसेस करता है।

बेसिक होम लोन के निवेशकों में बड़े नाम

बेसिक होम लोन के इन्वेस्टर की लिस्ट में कई बड़े नाम हैं। इनमें शेयर मार्केट के मशहूर निवेशक आशीष कचोलिया भी शामिल हैं। अगर अन्य बड़े निवेशकों की बात करें, तो इसमें बर्टेल्समैन इंडिया इन्वेस्टमेन्ट, सीई-वेंचर्स, निखिल कामथ गृहास, पिकस कैपिटल, वेंचर कैटेलिस्ट, 9 यूनिकॉर्न्स, अर्ल्सफील्ड कैपिटल, गुड कैपिटल, डेक्सटर एंजल्स, आईआईएम इंदौर एल्युमनाई एंजल फंड, कॉम्सक्रेडिबल वेंचर फंड आदि का सपोर्ट हासिल है।

रिश्ते सुधरने से पहले आई दरार, भारत की दो टूक: लद्दाख में चीन का गैरकानूनी कब्जा बर्दाश्त नहीं

भारत और चीन के बीच हाल ही में रिश्ते सुधारने को लेकर समहति बनी थी लेकिन अब इन कोशिशों में दरार आती दिख रही है। चीन के होतान प्रांत में दो नये राज्य बनाने की घोषणा का भारत ने कड़ा विरोध किया है। भारत ने क्षेत्र को लद्दाख का हिस्सा बताया है और कहा है कि इस पर चीन का गैरकानूनी कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच अक्टूबर, 2024 में ही हुई मुलाकात में भारत व चीन के रिश्तों को पटरी पर लाने की सहमति बनी और तीन महीने भी नहीं हुए इस सहमति के दरकने के संकेत मिलने लगे हैं।

पहले चीन की तरफ से अपने क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र के निर्गम स्थल पर 137 अरब डॉलर की लागत से एक विशाल बांध बनाने की घोषणा की और फिर भारत के क्षेत्र लद्दाख से जुड़े पर गैर कानूनी तरीके से कब्जा जमाये होतान प्रांत में दो नये राज्य बनाने की घोषणा कर दी।

भारत ने कहा- गैरकानूनी कब्जा

भारत ने इन दोनों घोषणाओं पर कड़ी आपत्ति जताते हुए साफ कह दिया है कि लद्दाख के किसी हिस्से पर चीन का गैरकानूनी कब्जा बर्दाश्त नहीं है। वैसे इस जमीन पर चीन का कब्जा तकरीबन छह दशकों से है। इसके साथ ही सबसे बड़ी पनबिजली परियोजना के लिए बांध बनाने की योजना को लेकर भारत ने कड़े शब्दों मे निंदा की है और कहा है कि उसके पास अपने हितों की रक्षा के लिए उपयुक्त कदम उठाने का अधिकार है।

अक्टूबर में भारत चीन के शीर्ष नेताओं के बीच मुलाकात, उसके बाद विदेश मंत्रियों और सीमा विवाद सुलझाने के लिए गठित विशेष प्रतिनिधियों के बीच की बैठक से यह संकेत मिले थे कि दोनों देशों के बीच रिश्तों को सुधारने की प्रक्रिया फिर से शुरू होगी। अब देखना होगा कि चीन की तरफ से उकसावे भरे कदम उठाने के बाद भारत इस पर सिर्फ प्रतिक्रिया जता कर ही रह जाता है या इस बारे में अपनी कोई स्पष्ट रणनीति भी बनाता है।

चीन का कदम उकसावे वाला

हालांकि जानकारों का कहना है कि चीन की तरफ से उठाये जाने वाला कदम उकसावे वाला था और भारत ने वैसी ही प्रतिक्रिया दी है। इसका रिश्तों पर सुधारने को लेकर उठाये जाने वाले कदमों पर शायद ही कोई असर हो। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने चीन की पनबिजली परियोजना की घोषणा को लेकर कहा, 'हमने चीन की समाचार एजेंसी में एक रिपोर्ट देखी है कि तिब्बत स्वायत्तशासी क्षेत्र में स्थित यार्लुंग त्सांगपो नदी पर एक पनबिजली परियोजना लगाई जाएगी। इस नदी के तट पर स्थित देश होने की वजह से भारत का भी इस पर अधिकार है और कई स्तरों पर इस मुद्दे को चीन के समक्ष उठाया है।'

उन्होंने कहा, 'हमने विशेषज्ञ दलों के माध्यम से और राजनयिक स्तर पर भी अपनी चिंताओं को लगातार व्यक्त किया है। अब जो नई रिपोर्ट आई है, उसके बाद इस बारे में डाउनस्ट्रीम के देशों के साथ ज्यादा पारदर्शिता व विमर्श की जरूरत है। चीन से यह आग्रह किया गया है कि वह सुनिश्चित करे कि उसकी गतिविधियों से डाउनस्ट्रीम देशों (भारत, बांग्लादेश) के हित प्रभावित नहीं हो। हम इस पर लगातार नजर बना कर रखेंगे और अपने हितों की रक्षा के लिए जो भी जरूरी होगा वह उपाय करेंगे।'

भारत ने बताया लद्दाख का हिस्सा

जायसवाल से जब चीन की तरफ से अक्साई चीन इलाके (इस पर भारत का लद्दाख का हिस्सा होने का ऐतिहासिक दावा) में दो नये प्रांत बनाने के फैसले के बारे में पूछा गया तो उनका जवाब था कि जिस होतान (चीन की तरफ से दिया गया नाम) प्रांत में दो नये प्रांत बनाने का फैसला किया गया है, वह तथाकथित हिस्सा भारत के लद्दाख का हिस्सा है। हमने इस क्षेत्र में चीन के किसी भी गैरकानूनी कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में दो नये प्रांत बनाने के फैसले से भारत के पारंपरिक रूख पर कोई असर नहीं होगा। यह भारत के संप्रभु क्षेत्र पर चीन की तरफ से गैरकानूनी व जबरदस्ती से किया गया कब्जा है। हमने राजनयिक तरीके से अपनी गंभीर प्रतिक्रिया जता दी है। सनद रहे कि चीन ने अक्साई चीन के करीब 38 हजार वर्ग किलोमीटर पर कब्जा जमा रखा है।

उच्च रक्तचाप (हाई ब्लडपेशर)

खसखस (सफेद) और तरबूज के बीज की गिरी अलग-अलग पीसकर बराबर मात्रा में मिलाकर रख लें। सुबह और शाम एक-एक चम्मच खाली पेट खाएँ। इससे बढा हुआ रक्तचाप धीमा हो जाता है और रात में नींद भी अच्छी आती है।

एक चम्मच मैथीदाना के चूर्ण की फंकी सुबह-शाम खाली पेट दो सप्ताह तक लेने से उच्च रक्तचाप सामान्य हो जाता है।

मुनक्का में लहसुन की कली रखकर खाना भी लाभदायक होता है। सबेरे खाली पेट डाल का पका हुआ पपीता तीस दिनों तक खाएँ और इसके खाने के बाद दो घंटे तक न कुछ खाएँ, न पीएँ, इससे रक्तचाप सामान्य रहता है।

गेहूँ और चना बराबर मात्रा में लेकर आटा पिसवाऐं चोकर (भूसी) सहीत आटे की रोटी बनवाकर खाएँ। एक सप्ताह में ही रोग ठीक हो जाएगा।

रात को किसी तांबे के गिलास या लोटे में पानी भरकर रखें और सुबह उठ कर पी लें। इससे उच्च रक्तचाप सामान्य हो जाता है।

चार तुलसी की पत्तियाँ, दो नीम की पत्तियाँ, दो चम्मच पानी के साथ पीसकर खाली पेट लेने से उच्च रक्तचाप में लाभ होता है।

आखिर क्यों नहीं थम रहा रुपये में गिरावट का सिलसिला

निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ता है, जिससे रुपया कमजोर होता है। कच्चे तेल और सोने के बढ़ते आयात के कारण 2022 में भारत का रिकॉर्ड व्यापार घाटा रुपये के मूल्यह्रास को बढ़ाता है। भारतीय रुपये में गिरावट बाहरी क्षेत्र की कमज़ोरियों के बीच मुद्रा स्थिरता बनाए रखने की चुनौतियों को रेखांकित करती है। मुद्रा मूल्य में उतार-चढ़ाव वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और पूंजी बहिर्वाह के साथ-साथ राजकोषीय घाटे जैसे घरेलू कारकों से उत्पन्न होते हैं। भारत के बाहरी लचीलेपन को बढ़ाने और इसकी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए प्रभावी नीतिगत उपाय महत्त्वपूर्ण हैं।

-डॉ सत्यवान सौरभ

सितंबर 2024 के शेयर शिखर के बाद निरंतर बहिर्वाह ने रुपये को कमज़ोर कर दिया क्योंकि निवेशक अमेरिकी ब्याज दरों में वृद्धि की अटकलों के बीच सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर चले गए। उच्च व्यापार घाटे जैसे व्यापार घाटे आयात पर बाहरी निर्भरता को उजागर करते हैं, विशेष रूप से ऊर्जा के लिए, रुपये की कमज़ोरी के दौरान चालू खाता घाटा बढ़ाते हैं। रुपये के अवमूल्यन के साथ भारत का कच्चे तेल का आयात बिल बढ़ गया, जिससे 2024 का व्यापार घाटा बढ़कर $75 बिलियन के करीब पहुँच गया।

टैरिफ़ की धमकियाँ और ब्रिक्स मुद्रा विवाद जैसी वैश्विक घटनाएँ भारत के बाहरी व्यापार और निवेश के लिए अनिश्चितताएँ पैदा करके अस्थिरता को बढ़ाती हैं। ब्रिक्स देशों की मुद्रा योजनाओं के खिलाफ़ अमेरिकी राष्ट्रपति की 2024 टैरिफ़ चेतावनी ने बाज़ार में बिकवाली को बढ़ावा दिया, जिससे भारत की बाहरी स्थिरता कमज़ोर हुई। रुपये को स्थिर करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार पर भारी निर्भरता निरंतर वैश्विक बाज़ार अशांति के दौरान दीर्घकालिक मौद्रिक लचीलेपन को प्रतिबंधित करती है।

रुपये को वापस 85.53 पर लाने के लिए दिसम्बर 2024 में एक ही तिमाही में $20 बिलियन से अधिक के भंडार को समाप्त कर दिया। कमज़ोर रुपया घरेलू मौद्रिक नीतियों को प्रतिबंधित करता है, महंगे आयातों के माध्यम से मुद्रास्फीति को बढ़ाता है जबकि विकास सम्बंधी चिंताओं को दूर करने के लिए राजकोषीय स्थान को कम करता है। दिसम्बर 2024 में कच्चे तेल के आयात की लागत 15% बढ़ गई, जिससे नीति निर्माताओं पर मुद्रा प्रबंधन और राजकोषीय विस्तार रणनीतियों को प्रभावी ढंग से संतुलित करने का दबाव पड़ा।

टैरिफ या प्रतिबंध जैसे संरक्षणवादी व्यापार उपाय, व्यापार संतुलन को बाधित करके मुद्रा स्थिरता को कमज़ोर कर सकते हैं। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच राजनीतिक अस्थिरता या संघर्ष अस्थिरता पैदा करते हैं, जिससे सुरक्षित-पनाहगाह डॉलर की मांग बढ़ती है और उभरते बाजारों की मुद्राएँ कमज़ोर होती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जिससे भारत के आयात बिल पर दबाव पड़ा और रुपये का मूल्य कम हुआ। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में सख्त मौद्रिक नीतियों के कारण भारत से पूंजी का बहिर्वाह होता है, जिससे रुपये पर दबाव पड़ता है।

2022-23 में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दरों में बढ़ोतरी के कारण विदेशी

पोर्टफोलियो का बहिर्वाह हुआ, जिससे रुपया कमज़ोर हुआ।

निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह बढ़ता है, जिसससे रुपया कमजोर होता है। कच्चे तेल और सोने के बढ़ते आयात के कारण 2022 में भारत का रिकॉर्ड व्यापार घाटा रुपये के मूल्यह्रास को बढ़ाता है। उच्च घरेलू मुद्रास्फीति मुद्रा मूल्य को कम करती है, जिससे निर्यात कम प्रतिस्पर्धी हो जाता है और आयात महंगा हो जाता है। कच्चे तेल जैसे अलोचदार आयातों की बढ़ती कीमतों ने भारत के आयात बिलों को बढ़ा दिया, जिससे 2023 में रुपया कमजोर हो गया। घरेलू और विदेशी निवेश में गिरावट कमजोर आर्थिक विकास का संकेत देती है, जिससे मुद्रा प्रवाह हतोत्साहित होता है। 2024 में, कॉर्पोरेट प्रदर्शन में कमी और स्टॉक वैल्यूएशन में वृद्धि के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेश बहिर्वाह हुआ। मुद्रा को स्थिर करने के लिए केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप विदेशी मुद्रा भंडार द्वारा सीमित हैं और केवल अस्थायी राहत प्रदान कर सकते हैं। दिसम्बर 2024 में आरबीआई के देर से हस्तक्षेप ने रुपये को अस्थायी रूप से 85.53 प्रति डॉलर पर स्थिर करने में कामयाबी हासिल की। राजकोषीय रूप से विवश सरकार बाहरी झटकों को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता को कम करती है, जिससे मुद्रा स्थिरता में विश्वास कमजोर होता है। महामारी के दौरान भारत के रिकॉर्ड राजकोषीय घाटे ने बाहरी लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए सरकारी उपायों को सीमित कर दिया। मुद्रा नीतियों पर सरकार का स्पष्ट रुख निवेशकों का विश्वास बढ़ाता है और सट्टा दबाव कम करता है। आरबीआई गवर्नर द्वारा 2024 में डी-डॉलराइजेशन को खारिज करने से बाज़ार आश्वस्त हुआ, जिससे रुपये के मूल्यह्रास की चिंताएँ अस्थायी रूप से कम हो गईं।।

बाह्य लचीलेपन को मज़बूत करने के उपाय हैं, निर्यात को बढ़ावा देना और विदेशी मुद्रा आय बढ़ाने और व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए मूल्यवर्धित विनिर्माण और सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करना। फार्मास्यूटिकल्स और आईटी जैसे क्षेत्रों को मज़बूत करने से व्यापार घाटे को कम करने और रुपये को स्थिर करने में मदद मिल सकती है। विविध आपूर्तिकर्ताओं के साथ दीर्घकालिक समझौते करके अस्थिर कच्चे तेल और आवश्यक आयात पर निर्भरता कम करें। रूस और मध्य पूर्वी देशों से कच्चे तेल के आयात का विस्तार करने से 2023 में औसत तेल आयात लागत कम हो गई। प्रभावी मुद्रा स्थिरीकरण के लिए सॉवरेन वेल्थ फंड और सोने के संचय के माध्यम से मज़बूत भंडार बनाएँ।

रिज़र्व बैंक के अनुसार 2021 में $600 बिलियन के रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार ने महामारी के दौरान अस्थिरता को प्रबंधित करने में मदद की। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को निपटाने, अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने और विनिमय दर जोखिमों को कम करने के लिए समझौतों में शामिल हों। भारत-रूस रुपया-रूबल व्यापार तंत्र ने रूस-यूक्रेन संकट के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम किया। मुद्रा जोखिमों से बचने के लिए अल्पकालिक बाहरी ऋण को कम करते हुए कम लागत और लंबी अवधि के उधार को प्राथमिकता दें।

भारत द्वारा सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड जारी करने में वृद्धि ने 2023 में पुनर्भुगतान अस्थिरता को कम करने के साथ स्थिर विदेशी निवेश आकर्षित करने में मदद की। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के आर्थिक लचीलेपन के लिए एक मज़बूत बाहरी क्षेत्र महत्त्वपूर्ण है। निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर, विवेकपूर्ण राजकोषीय नीति सुनिश्चित करके, विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाकर और रुपये में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर, भारत मुद्रा अस्थिरता को कम कर सकता है। संरचनात्मक सुधारों और वैश्विक आर्थिक एकीकरण पर ज़ोर देने वाली एक दूरदर्शी रणनीति दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करेगी और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को मज़बूत करेगी।

चार दिन की जिंदगी

\- - - - - - - - - - - - - -

जीवन क्या है रास्तों पर भटकता राही,
यहाँ सराय में ठहरा मुसाफिर
चार दिन की जिंदगी,
चार कंधों पर यूँ ही चले जाना है।

कोई कभी भी किसी के लिए नहीं रुका,
यह बहता हुआ पानी अविरल बहता रहता है
सुख-दु:ख उतार-चढ़ाव सहता रहता है,
पर सब भूल जाता है कि चार दिन की जिंदगी है।

लाख अंधेरों में रहने बाले तू डर मत,
एक उम्मीद की किरण से प्रकाश प्रफुल्लित होगा
उजियारों से जीवन आगे बढ़ेगा,
चार दिन की जिंदगी चार कंधों पर यूँ ही चले जाना है।

क्रोध, माया, लोभ, घमंड के साथ तू मत उलझ,
यह सब मिथ्या है यही रह जाएगा
तेरे मीठे बोल दुनिया याद रखेगी,
चार दिन की ज़दिगी, बाकी सब यहीं रह जाएगा।

आज भागता फिर रहा तू इंसान
अपने मूल फ़र्ज़ को भुलाए,
संसार के बंधनों में बंध भटकता है।
एक दिन राख हो जाएगा, चार दिन की जिंदगी है
चार कंधों पर यूँ ही चले जाना है ॥

हरिहर सिंह चौहान

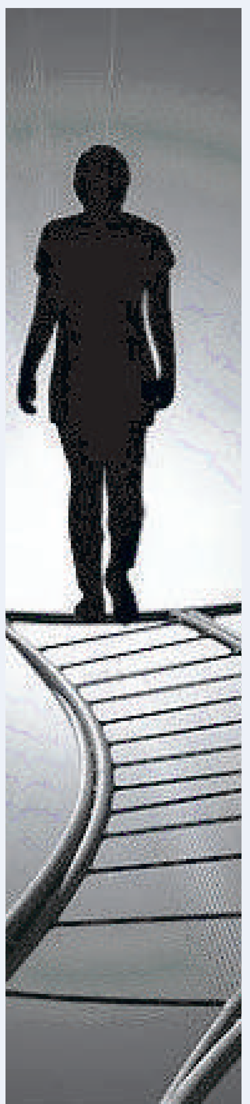

मुख्यमंत्री का बड़ा ऐलान: 500 ट्रैफिक कर्मचारियों की होगी नियुक्ति

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर : मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर लोअर पीएमजी से राम मंदिर तक जागरूकता पदयात्रा शुरू की गई। मुख्यमंत्री ने ओडिशा यात्री ऐप भी लॉन्च किया। मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के अनुपालन के बारे में जागरूकता बढ़ाई है।यातायात समस्याओं के समाधान के लिए 2,000 यातायात कर्मचारियों के पद सृजित किये जायेंगे। इस वर्ष 500 यातायात अधिकारी नियुक्त किये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह का संदेश सुरक्षित घर लौटने का है। यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित वाहन चलाने का संदेश दिया गया है।

अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना का रजिस्ट्रेशन दिनांक 3 जनवरी 2025 को करवाया गया है।जिसमें पदाधिकारी सहित दो सलाहकार के साथ रजिस्ट्रेशन हुआ। काफी दिनों के बाद यह संस्था रजिस्ट्रेशन हुई है अब इसका खाता बैंक में खुलवाकर समाज के विकास कार्य किया जाएगा व जरूरत होगी उसे हिसाब से मेंबरशिप बनवाकर संस्था को सुदृढ बनाया जाएगा। तेलंगाना के सभी बडेरो अध्यक्षों और सचिवो से मिलकर एक मीटींग रखी जाएगी। समाज के विकास कार्य में आप सबका सहयोग जरूरी है। माह सभा अध्यक्ष हरजीराम काग, महासभा सचिव सोहनलाल हाम्बड़ बाकी अन्य पदाधिकारी हुकमाराम सेफ्टा माणकचन्द गेहलोत, गीरधालाल काग,प्रभुराम हांबड़,CA जसराज बर्फा राजुराम परिहार, सुरेश, शमशाबाद बडेर अध्यक्ष आशाराम गेहलोत,कोरेमुला बडेर अध्यक्ष कालुराम काग ,मनिकोण्डा बडेर अध्यक्ष बाबूलाल भायल, व समाज बन्धु उपस्थिती में रजिस्ट्रेशन किया गया है। यह सूचना अध्यक्ष अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना के हरजीराम काग़ के द्वारा दी गई।

पत्र लेखन कला में म प्र का डंका बजाते कलमकार

स्वतंत्र लेखक हरिहर सिंह चौहान इन्दौर

'बीते वर्ष 1 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक देश विदेश के तमाम प्रमुख अखबारों में विभिन्न विषयों पर अपनी कलम से पत्र संपादक के नाम के लिए पत्र लेखकों के मध्यप्रदेश के अनमोल रत्नों में वरिष्ठ पत्र लेखक श्री संजय वर्मा दृष्टि मनावर के कुल 2172 पत्र और लेख कविता प्रकाशित हुएं। दुसरे रत्न में वरिष्ठ पत्र लेखक हम सभी के मार्गदर्शक श्री अमृतलाल मारू इन्दौर जिनकी लेखनी से 2024 में पूरे साल में देश विदेशों के अखबारों में 1372 पत्र प्रकाशित हुए। यह दोनों पत्र लेखक हमारी धरोहर यानी लेखनी के श्री गणेश को बचायें हुए है। अस्सी के दशक में पत्र लेखकों को जो मान सम्मान प्राप्त था उसी पीढ़ी के यह लेखकद्वय पत्र लेखन के मध्यम में विरासत को सहेज कर रखें हुए है। दोनों की लेखन कला इस बात का भी प्रमाण है कि निरंतर लेखन के जरिए समसामयिक और सामाजिक मुद्दों को सहज और सरल भाषा में

प्रस्तुत कर उसे जन आकर्षक का केंद्र बनाया जा सकता है। सोशल मीडिया के जमाने में लेखक द्वय जिस तरह लेखन कला को निरंतरता प्रदान कर रहे हैं वह अपने आप में अद्वितीय है। पत्र लेखन कला का जीवित रहना साहित्य की अमरता के लिए भी वरदान है।निश्चित रूप से ऐसे प्रयास लेखक कुनबे को दीर्घायु बनानें में सहायक सिद्ध होंगे। आप दोनों कलमकार को हम सभी की और से बहुत बहुत बधाई व शुभकामनाएं। मध्यप्रदेश के इन दो पत्र लेखकों ने पूरे देश में सम्मान प्राप्त किया। ऐसे तो पत्र लेखक कला को मध्यप्रदेश की कलम ने ही संभाल कर रखा है पूरे देश में उन्हीं सभी लेखकों की लेखनी अपनी बात कह रही है यह हम सभी के लिए गर्व की बात है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023